RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

कठोर और बेलाग आलोचना एवं स्वतंत्र विचार क्रांतिकारी सोच के दो आवश्यक लक्षण है।

भगतसिंह

वर्ष-03, अंक-25 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 25 मार्च 2021 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

व्यापम रिटर्न्स:

घोटाले के चक्कर में अधर में लटका युवाओं का भविष्य

भोपाल। मध्यप्रदेश में कृषि विभाग के अधिकारियों की भर्ती परीक्षा में हुए घोटाले को लेकर सरकार में मंत्री कमल पटेल ने पूरी गंभीरता से जांच कराने का वादा किया

है। बता दें कि, यह एग्जाम राज्य के प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा आयोजित कराई गई थी, जिसे पहले व्यापम के नाम से जाना जाता था। व्यापम-2 पर मध्यप्रदेश सरकार में कृषि मंत्री कमल पटेल ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि, इस मामले गहनता से पूरी जांच होने के बाद ही अंतिम परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाएंगे।

साथ ही कहा कि, मेरे विभाग के अधिकारियों की भर्ती परीक्षा में राज्य के एक ही अंचल के उम्मीदवारों को अन्य इलाकों के परीक्षार्थियों के मुकाबले ज्यादा अंक मिलने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। ऐसे में लोगों के भीतर जाहिर है की शंका का बीज जन्म लेगा। इसीलिए हम भर्ती परीक्षा से जुड़ी शिकायतों की गंभीरता से जांच कर रहे हैं, अगर इस जांच में कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो उसे कतई बख्शा नहीं जाएगा। इसके बाद जैसे ही इस केस में जांच पूरी हो जाएगी तो भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम घोषित किया जाएगा।

एक साल बेमिसाल....

आत्म मुग्धता से बचे सरकार: यह काम जनता पर छोड़ें

माही की गूंज। संजय मटेवरा

शिवराज सरकार के चौथे कार्यकाल पर सरकार एक साल बेमिसाल की थीम पर जश्न मना रही है, लेकिन वर्तमान परीक्षेप में क्या एक साल बेमिसाल कहना उचित है? वैश्विक महामारी की दूसरी लहर एक बार फिर पैर पसार रही है... महंगाई अपने चरम पर पहुंच चुकी है... रोजगार बहुत कम हो चुके हैं... गरीब और अमिर के बीच खाई बढ़ती ही जा रही है... पटवारी तक लाखों रुपए की रिश्वत में पकड़े जा रहे हैं... नौकरशाही भाजपा राज में बेलगाम थी और अब भी बेलगाम है... प्रदेश में भ्रष्टाचार, शिष्टाचार बनता जा रहा है और सरकार कह रही है कि, एक साल बेमिसाल।

शिवराज सिंह चौहान को यह नहीं भूलना चाहिए कि, 2018 के विधानसभा चुनाव में जनता ने उन्हें मजबूत विपक्ष के रूप में सरकार पर नजर रखने की जिम्मेदारी दी थी, लेकिन राजनीतिक जोड़-तोड़ व सत्ता के समीकरण शिवराज सिंह चौहान के पक्ष में आ गए और शिवराज सिंह चौहान को एक बार पुन: मध्यप्रदेश की कमान मिल गई। कहते हैं कि, केवल राजा के ईमानदार होने पर सुशासन नहीं हो सकता है, इसमें कोई संदेह नहीं है कि शिवराज सिंह चौहान ने राजनीतिक काल कोठरी में अपने शर्ट पर एक भी दाग लगने नहीं दिया और पूरी ईमानदारी, निष्ठा और लगन से स्वर्णिम मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने में लगे है। लेकिन प्रदेश सरकार में ऐसा नहीं लगता है कि, वन मैन शो चल रहा है, पूरी सरकार शिवराज सिंह चौहान के ईद-गिर्द ही चल रही है और अन्य मंत्रियों की भूमिका सीमित होती जा रही है, जबकि सरकार चलाने की सभी जिम्मेदारी केवल मुख्यमंत्री की ही नहीं वरन् सभी मंत्रियों की सामूहिक होती है।

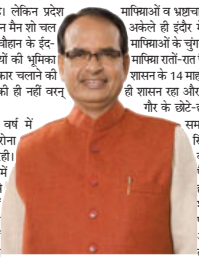

निश्चित रूप से पिछले एक वर्ष में सरकार की अधिकांश ऊर्जा कोरोना महामारी से लड़ने में ही लगी रही। लेकिन इस महामारी के बीच भी हमें कई सबक मिले हैं। जरूरत उनसे सीख लेने की है, लेकिन कई लोगों ने इस महामारी को भी अवसर के रूप में भुनाया। कई हॉस्पिटल में हमें मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की खबर मिली, ज्यादा पैसे एठने की खबर मिली, यहां तक कि कई जगह पर इनसे बचाव के उपकरणों की खरीदी में भ्रष्टाचार की खबर भी मिली, ऐसे में पिछले एक साल को बेमिसाल कैसे कहा जा सकता है?

मुख्यमंत्री की छवि को इस बार आक्रमक रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है ओर मुख्यमंत्री स्वयं कह रहे हैं कि, वे माफियाओं व भ्रष्टाचार के खिलाफवज्र जैसे कठोर है और अकेले ही इंदौर में ही हजारों करोड़ रुपए की जमीन माफियाओं के चुंगल से मुक्त करवाई है, लेकिन क्या यह माफिया रातों-रात पैदा हो गए? पिछले 18 वर्षों में कांग्रेस शासन के 14 माह छोड़ दे तो बाकी समय तो भाजपा का ही शासन रहा और उसमें भी उमाभारती और बाबूलाल गौर के छोटे-छोटे कार्यकाल छोड़ दे तो अधिकांश समय मुख्यमंत्री पद पर तो स्वयं शिवराज सिंह चौहान ही रहे है। ऐसे में उनके कार्यकाल में इतने बड़े माफिया कैसे पैदा हो गए थे? दूसरा क्या केवल इंदौर ही संपूर्ण मध्यप्रदेश है? प्रदेश के दूसरे शहरों में माफिया नहीं है? यदि है तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं? बात करे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र झाबुआ की ही तो यहा माफियाओ के साथ सहकारीता क्षेत्र में भी भ्रष्टाचार का ऐसा बोल बाला है कि, किसाने के नाम से लाखो नही करोडो रूपए भ्रष्ट डकार गए मामले सामने भी आए पर कार्रवाई व जांच के नाम पर वही ढाक के तीन पात।

ऐसे में 2018 के चुनाव पूर्व तक भी शिवराज सिंह चौहान सरकार की नौकरशाही पर कई प्रश्न चिन्ह लगे थे। अफ्सरशाही बेलगाम थी, ठीक इसी तरह के आरोप एक बार फिर लगना शुरू हो गए हैं। बेलगाम अधिकारी आए दिन तुगलगी फरमान जारी करती रहती है, यही नहीं सरकारी कार्यों के दावो और जमीनी हकीकत में बहुत अंतर रहता है। सरकार को नौकरशाही पर नियंत्रण आवश्यक है।

बहरहाल शिवराज सिंह चौहान सरकार के एक वर्षीय कार्यकाल पूर्ण करने की बधाई लेकिन इस एक साल को बेमिसाल, सरकार द्वारा कहना आत्ममुग्धता भरा कदम होगा।

निःसंदेह इस एक वर्षीय कोरोना काल में सरकार ने काफी कुछ अच्छा कार्य भी किया है, न केवल महामारी के संक्रमण को रोकने वरन् टीकाकरण में भी पूरी मुस्तैदी के साथ अपना कर्तव्य निभा रही है। लेकिन फिर भी कई मुद्दों पर बहुत कुछ कार्य किया जाना बाकी है अगर आप पिछले 15 वर्षों से सत्ता पर काबिज है तो अपनी विफ्लता के लिए पूर्व सरकारों को दोषी नहीं ठहरा सकते हैं, किसी भी स्तर पर आज कोई खामिया है तो जिम्मेदारी सरकार की ही है।

बेहतर होगा कि, सरकार आत्ममुग्धता का राग छोड़कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। अगर साफनियत से अच्छा कार्य किया जाए तो तारीफतो होगी ही... और तारीफकरने का कार्य सरकार जनता पर छोड़ दे, कहावत भी है हाथ कंगन को आरसी क्या।

एंटीलिया विस्फोटक मामले में एनआईए का बड़ा कदम, सचिन वाझे पर लगाया यूएपीए

नई दिल्ली एजेंसी। मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर मिली विस्फोटक से लदी स्कॉर्पियो गाड़ी के मामले में निलंबित मुंबई पुलिस अधिकारी सचिन वाझे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने वाझे के खिलाफगैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम लगाया है। उद्योगपति अंबानी के मुंबई स्थित घर के बाहर 25 फरवरी को स्कॉर्पियो गाड़ी मिली थी, जिसमें विस्फोटक सामग्री थी। इस मामले को बाद में एनआईए को सौंप दिया गया था। एनआईए ने इस केस में मुंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे को आरोपी बनाया है। वहीं, स्कॉर्पियो गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन का भी शव कुछ दिनों के बाद मिला था, जिसमें भी सचिन वाझे को ही आरोपी बनाया गया है। महाराष्ट्र में एंटीलिया मामला सामने आने के बाद से उद्धव सरकार पूरी तरह से घिरी हुई है। पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने अनिल देशमुख के खिलाफलेटर लिख महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल ला दिया। सिंह ने देशमुख के खिलाफआरोप लगाया है कि उन्होंने हर महीने 100 करोड़ रुपये की उगाही करने का लक्ष्य दिया था। हालांकि, देशमुख ने इन आरोपों को खारिज कर दिया।

पहली से आठवीं तक के छात्रों को नहीं दिया जाएगा प्रमोशन, होगा मूल्यांकन

भोपाल। मध्यप्रदेश में पहली से आठवीं कक्षा के छात्रों का मूल्यांकन प्रोजेक्ट वर्क के आधार पर किया जाएगा। वहीं नौवीं व 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों की वार्षिक परीक्षाएं 12 अप्रैल से आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि, कोरोना संक्रमण के कारण पिछले वर्ष की तरह इस बार किसी भी कक्षा में जनरल प्रमोशन देने से संबंधित कोई दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं।

सत्र 2020-21 में पहली से आठवीं तक के छात्रों को हर विषय में 40 अंकों का प्रोजेक्ट वर्क दिया गया है, वहीं 60 अंक ऑनलाइन कक्षाओं के दौरान कराई गई पढ़ाई के आधार पर दिए जाएंगे। इस तरह प्रोजेक्ट और ऑनलाइन कक्षा के अंकों के आधार पर अंतिम परिणाम तैयार किया जाएगा। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा 30 दिसम्बर 2020 को जारी निर्देशानुसार, प्रोजेक्ट के मूल्यांकन के उपरांत 31 मार्च तक अंतिम परिणामों की घोषणा कर कक्षोन्नति दे दी जाएगी।

कक्षा नौवीं व ग्यारहवीं की वार्षिक परीक्षाएं 12 अप्रैल 2021 से शुरू होने जा रही हैं। जारी डेट शीट के अनुसार नौवीं की परीक्षा 27 अप्रैल और ग्यारहवीं की परीक्षा 28 अप्रैल तक जारी रहेगी। वहीं कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाएं 12 अप्रैल से 27 अप्रैल तक होंगी। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा बोर्ड परीक्षा शुरू करने की तिथि 30 अप्रैल तय की गई है। इसके लिए विद्यार्थियों की कांउसलिंग की जा रही है। साथ ही परीक्षा की तैयारी को पुख्ता करने के लिए विमर्श पोर्टल पर निर्धारित ब्लू प्रिंट पर आधारित प्रश्न बैंक भी उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यार्थी इन्हें डाउनलोड कर नियमित रूप से अभ्यास कर सकते हैं।

कड़े होंगे प्रतिबंध, नहीं लगेगा टोटल लॉकडाउन - श्री सिंह

इंदौर। कोरोना तेजी से बढ़ रहा है, नया संक्रमण तेजी से फैल रहा है। हमारे पास अभी की स्थिति में अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तर खाली है, लेकिन अभी पास के जिलों से मरीज आना शुरू नहीं हुए है। फिर भी अभी टोटल लॉकडाउन लगाने जैसी हालत नहीं है, पर हमें कुछ प्रतिबंध और लगाने होंगे। त्योहारों पर लोग घरों में ही रहे, वहीं मंदिरों में ज्यादा भीड़ हो रही है इन पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। उक्त बातें कलेक्टर मनीष सिंह ने बुधवार को इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकारों से चर्चा में कही। सिंह ने आगे कहा कि अभी हमारे पास 4700 बेड उपलब्ध हैं, जिसमें करीब 1600 मरीज उपचार करवा रहे हैं। होम आइसोलेशन में करीब 1800 मरीज है। इनमें से रोजाना 30 से 50 मरीज अस्पतालों में जा रहे है। इन मरीजों को लेकर डिस्चार्ज पालिसी भी बनी हुई है, ताकि दूसरे मरीजों के लिए जगह बनती रहे, लेकिन हमें कुछ और प्रतिबंध लगाने होंगे। ताकि लोगों की बेवजह भीड़ न लगे, लेकिन हम टोटल लॉकडाउन या औद्योगिक इकाइयों को बंद करने जैसे कदम नहीं उठाएंगे।

बिहार विधानसभा में हुए हंगामे पर मल्लिकार्जुन खड़गे बोले

भाजपा कर रही लोकतंत्र की हत्या

पटना एजेंसी। बिहार विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ, विपक्ष का आरोप है कि, पुलिस ने उनके विधायकों के साथ मारपीट की। इसके कई वीडियो फुटेज भी सामने आए हैं। यह हंगामा पुलिस बल को कथित तौर पर बगैर वारंट की गिरफ्तारी की शक्ति देने के प्रावधान वाले एक विधेयक बिहार विधानसभा में पेश किए जाने के बाद हुआ है। आज संसद में भी यह मामला उठा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी निंदा की है।

दिल्ली में उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, बिहार विधानसभा में हादसा निंदनीय है। मैंने कभी पुलिस को महिला विधायकों की पिटाई करते नहीं देखा। भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। यदि यह निर्वाचित नेताओं के साथ हो रहा है, तो राज्य में कानून और व्यवस्था की क्या स्थिति होगी। अगर बिहार पुलिस कानून पास हो जाता है, तो यह उन्हें लेकर भी कुछ भी करने की छूट दे देगा।

आमिर खान कोरोना पॉजिटिव

मुम्बई एजेंसी। भारत में कोरोनावायरस के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। सिर्फआम लोग ही नहीं, मशहूर हस्तियां जो अतिरिक्त देखभाल कर रही हैं, कोरोना वायरस से नहीं बच पा रही है। बॉलीवुड एक्टर आमिर खान भी कोरोना के शिकार हो गए है। दरअसल आमिर खान का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया है, जिसके बाद उन्होंने खुद को घर में सेल्फआईसोलेट कर लिया है। इस बात की पुष्टी उनके प्रवक्ता ने की है। जैसे ही यह खबर बाहर आई, अमीरखान माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर ट्रेंड करने लगा और कई लोगों ने तो उने 'गेट वेल सून' मैसेज भी दिए।

चुनावी बॉन्ड पर रोक की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने रखा फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली एजेंसी। पश्चिम बंगाल व अन्य राज्यों में चुनावी बॉन्ड पर रोक लगाने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह चुनावी बॉन्ड योजना का समर्थन करते है क्योंकि अगर ये नहीं होगा तो राजनितिक पार्टियों को चंदा कैश में मिलेगा,आयोग ने कहा कि हालांकि वह चुनावी बॉन्ड योजना में और पारदर्शिता चाहता है। आयोग ने कहा कि चुनावी बॉन्ड बेहिसाब नकदी प्रणाली से एक कदम आगे है।

आयोग के वकील राकेश द्विवेदी ने अदालत को बताया कि पारदर्शिता के मुद्दे पर तर्क पर अंतिम चरण में विचार किया जा सकता है, और कोई अंतरिम रोक नहीं होनी चाहिए। एडीआर की ओर से प्रशांत भूषण ने कहा इलेक्टोरल बॉन्ड्स तो सत्ताधारी दल को चंदे के नाम पर रिश्वत देकर अपने काम कराने का जरिया बन गया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की कि हमेशा ये रिश्वत का चंदा सत्ताधारी दल को ही नहीं बल्कि उस दल को भी मिलता है जिसके अगली बार सत्ता में आने के आसार प्रबल रहते हैं। भूषण ने कहा की रिजर्व बैंक ऑफडिया ने भी इस पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है क्योंकि आरबीआई का कहना है कि ये बॉन्ड्स आर्थिक फ्रॉड के एक तरह का हथियार औजार या जरिया है। कई लोग देश विदेशों में पैसे इकट्ठा कर औने पौने इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीद सकते हैंए ये दरअसल सरकारों के काले धन के खिलाफ कथित मुहिम की सच्चाई बयान करता है बल्कि उनकी साख पर भी सवाल खड़े करता है।

कोई भी यात्री, ड्रायवर या कंडक्टर बिना मास्क के मिला तो होगी कार्रवाई, यात्रियों की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं -श्री राजपूत

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश के परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि, यात्रियों की जान के साथ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा आज में सिर्फ मास्क वितरित कर रहा हूँ। अगली बार बस चेकिंग के दौरान बस का परमिट, बीमा, एवं फिटनेस की चेकिंग भी की जाएगी, साथ ही कोई भी यात्री, ड्रायवर अथवा कंडक्टर बिना मास्क के मिला तो बस मालिक के विरूद्ध कार्रवाई करेंगे। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि, जब तक कोरोना संक्रमण खत्म नहीं हो जाता बस मालिक मास्क को भी आवश्यक प्रपत्र समझे।

यात्री बसों का किया निरीक्षण

परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बुधवार को आईएसबीटी बस स्टॉप पर भोपाल से सिलवानी जाने वाली बस क्रमांक एमपी 09-9259, वर्मा ट्रेवल्स की भोपाल से इंदौर जाने वाली बस क्रमांक एमपी 04 ए 1169, मालवा एक्सप्रेस की बस क्रमांक एमपी 04 पीए 2847 एवं भोपाल से पचमढ़ी जाने वाली बस क्रमांक एमपी 04 पीए 611 बसों के अलावा मंडीदीप से गाँधी नगर के मध्य भोपाल लिंक एक्सप्रेस की रेड बस टीआर 4 क्रमांक एमपी 04 पीए 3866 का निरीक्षण किया। मंत्री श्री राजपूत ने सिटी बस के वाहन चालक को मास्क पहनाया। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि, यात्री बसों में एक साथ कई लोग यात्रा करते है, जिससे कोरोना फैलने का ज्यादा खतरा रहता है। इसलिए बसों में यात्री, कंडक्टर एवं ड्रायवर के लिए मास्क अनिवार्य किया गया है।

ओला प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवजा

राजस्व मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि, पिछले दिनों हुई ओला वृष्टि से फसलों को हुई क्षति के आंकलन के निर्देश प्रमुख सचिव राजस्व को दिए है। आंकलन की कार्रवाई की जा रही है। क्षति का सम्पूर्ण आंकलन होने के बाद किसानों को मुआवजा राशि दी जाएगी।

8-10 साल तक जीएसटी के दायरे में नहीं आ सकता पेट्रोल और डीजल- संसद में बोले सुशील मोदी

नई दिल्ली एजेंसी। बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने संसद में कहा कि अगले आठ से दस साल तक पेट्रोल व डीजल को जीएसटी के दायरे में लाना संभव नहीं है। क्योंकि इससे राज्यों को लगभग दो लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। राज्यसभा में सुशील कुमार मोदी ने कहा कि अभी पेट्रोल-डीजल पर 100 रुपये में 60 रुपये टैक्स होता है। जिसमें अभी लगभग 35 रुपये केंद्र और 25 रुपये राज्य सरकार का होता है।

सुशील मोदी ने कहा कि वो जीएसटी परिषद से जुड़े रहे हैं। अक्सर पेट्रोल-डीजल को जीएसटी में लाने की बात कही जाती है। लेकिन मैं सदन से जानना चाहता हूं कि अगर पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में डाल दिया गया तो होने वाले 2 लाख करोड़ रुपये के राजस्व के नुकसान की भरपाई कहा से की जाएगी? उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिल कर 5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व जुटाते हैं उसे कहा से भरा जाएगा?

बीजेपी नेता ने पेट्रोलियम उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग को अव्यवहारिक बताया। उन्होंने कहा कि अभी तो 8 से 10 साल तक मुझे इसकी कोई उम्मीद नहीं दिख रही है।

पंचायतों में नही रूक रहे भ्रष्टाचार के मामले, भ्रष्टों का रहनुमा बना सीईओ चौहान

गामडी पंचायत के रोजगार सहायक ने खुद की मृत महिला की हाजरी भर निकाली राशि

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खण्ड में सतत् ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार के मामलों के उजागर होने का क्रम जारी है, ग्राम पंचायतों के चुनावों को देखते हुए आने वाले चुनावों में दावेदारी करने वाले अब वर्तमान पंचायत के काले कारनामो को मय प्रमाण बहार ला रही है, वही गूंज की पंचायतो में मचे भ्रष्टाचार और उनके संरक्षण दाताओं के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है, लेकिन अब तक जिम्मेदार प्रशासन और सरकार की और से कोई बड़ी कार्रवाई नही हो सकी है, जिस कारण भ्रष्टाचारी रोज नए-नए भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे है। ताज़ा मामला विकास खण्ड की गामडी पंचायत में सामने आया है जहां के ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद को पंचायत में हो रहे भ्रष्टाचार की जानकारी देते हुए रोजगार सहायक को हटाने और उस पर कार्रवाई की मांग की है।

लम्बे समय से कर रहे ग्रामीण शिकायत, सबूत सहित दिया आवेदन

ग्राम पंचायत गामडी के ग्रामीणों द्वारा वर्ष 2019 से पंचायत में रोजगार सहायक द्वारा किए जा भ्रष्टाचार की शिकायत की जा रही है, ग्राम पंचायत के टमु, भेरू, कैलाश, अमरा, नारसिंह ने बताया कि, रोजगार सहायक द्वारा मनरेगा के कार्यों में भ्रष्टाचार किया है ओर फर्जी मजदूरी का भुगतान कर राशि आहरण कर ली गई, ग्रामीणों ने शिकायत के साथ ऑनलाइन मस्टर की कॉपी भी उपलब्ध करवाई है जिसमे खुद रोजगार सहायक की हाजरी भरी हुई है, इतना ही नही वर्ष 2018 में मृत हो चुकी देवली गरवाल को भी वर्ष 2020 तक मजदूरी का भुगतान किया जा रहा है, मस्टर के माध्यम से किए भुगतान को देख कर ही जांच का कोई विषय नही रह जाता फिर भी जनपद पंचायत में बैठे भ्रष्ट अपनी जेब भर कर इन भ्रष्टो को भ्रष्टाचार की खुली छूट दे रहे है।

मृत देवली जिसके नाम से भी मनरेगा का भुगतान किया जा रहा है।

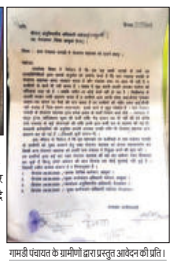
गामडी पंचायत के ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत आवेदन की प्रति।

मृत देवती को भुगतान के मस्टर जिसमे वर्ष 2020 तक मनरेगा में मजदूरी करना बताकर 2020 तक भुगतान किया गया।

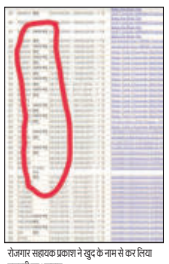
रोजगार सहायक प्रकाश ने खुद के नाम से कर लिया मजदूरी का भुगतान

एसडीएम ने सीईओ जनपद को रोजगार सहायक को हटाने के दिए थे आदेश, नही की कोई कार्रवाई

भ्रष्टो के आगे क्या कलेक्टर क्या सीईओ सब पैसे के आगे नसमस्तक होकर खड़े है, मामले की शिकायत जिला कलेक्टर और जिला सीईओ तक भी हुई लेकिन नतीजा शून्य ही रहा। वर्ष 2019 में हुई शिकायत के बाद रोजगार सहायक की लापरवाही और भ्रष्टाचार को देखते हुए एसडीएम पेटलावद ने कोई कार्रवाई तो नही की लेकिन ग्रामीणों की मांग पर रोजगार सहायक को हटाने के लिए सितम्बर 2019 में जनपद सीईओ को आदेश जारी किया था लेकिन पेटलावद विकास खण्ड की पंचायतो में मचे भ्रष्टाचार के सरगना सीईओ चौहान ने एसडीएम के आदेश को हवा में उड़ा कर अपनी जेब गर्म कर ली और ग्रामीणों की समस्या का कोई निराकरण नही किया।

निश्चितखोरों की बन चुकी है चेन, कब और कैसे होगी भ्रष्टो पर कार्रवाई

अपराध कैसा भी हो, भारतीय न्याय व्यवस्था में अपराध सिद्ध होने पर सज़ा का प्रावधान है और अपराधियों को सहयोग करने वाले भी सज़ा के हकदार होते है। आम जनता की मेहनत की गाड़ी कमाई, टेक्स के रूप में सरकार के पास जाती है और उसी जनता की खून पसीने की कमाई से विकास कार्य होते है, जिनकी आड़ में पंचायत स्तर से कलेक्टर स्तर तक मिलीभगत से भ्रष्टाचार किया जा रहा है। कही ग्रामीणों की शिकायत पर तो कही मीडिया के माध्यम में भ्रष्टाचार प्रमाण सहित बहार आ रहे है, जिम्मेदार अधिकारी जांच में भी भ्रष्टाचार होना लिख रहा है, मतलब शासकीय राशि के दुरुपयोग, आमानत में खयानत, धोखाधड़ी, शासकीय सम्पति के दुरुपयोग जैसे कई अपराध करने वाली एजेंसी और उसके फर्जी भुगतान करने वाले जिम्मेदार अधिकारी और जांच के बाद भी कार्रवाई नही करने वाले अधिकारियों पर बनते है, जो कि दर्ज नही किए जा रहे है और भ्रष्टाचारियो को संरक्षण देकर भ्रष्टाचार बढ़ाया जा रहा है। इन भ्रष्टो पर कार्रवाई कब और कैसे होगी ये तो पता नही पर गूंज की मुहिम कलम के माध्यम से सतत् जारी रहेगी क्योकि हमको न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है।

शहीद दिवस का अयोजन कर आजादी के दीवानों को याद किया

विधिक साक्षरता तथा जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजेश कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा प्राधिकरण के सचिव-अपर जिला न्यायाधीश राजेश देवलिया के निर्देशन में शहीद दिवस तथा भारत का अमृत महोत्सव अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में विधिक साक्षरता तथा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का शुभारंभ अतिथिगण तथा स्कूल के प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती, महात्मा गांधी, शहीद भगत सिंह, सुखदेव राजगुरू के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजली अर्पित कर किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए अपर जिला जज देवलिया ने उपस्थित छात्र-छात्राओं से कहा कि भारत की आजादी के 75 वर्ष आगामी वर्ष 2022 मे पूर्ण होने जा रहे है। इसी उपलक्ष्य में भारत का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। अमर शहीद भगतसिंह सुखदेव राजगुरू के बलिदान पर शहीद दिवस मनाया जाता है। इस दिन आजादी के दीवानों को याद कर उनके बताये मार्ग पर चलकर राष्ट्रहित में कार्य करें।

75 सप्ताह तक विशेष कार्यक्रमों का होगा आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत स्वतंत्रता सेनानियों तथा शहीदों को याद कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने और आजादी को बनाए रखने के लिए आगामी 75 सप्ताह तक विशेष कार्यक्रम, संगोष्ठी, कार्यशाला, चित्रलेखन, निबंध प्रतियोगिता आदि आयोजन के माध्यम से स्वतंत्रता का महत्व व स्वतंत्रता संग्राम में अपनी जान न्यौछावर करने वाले सेनानियों की वीरगाथाओं को याद कर उनसे प्रेरणा लिए जाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा।

शिक्षा का ज्ञान ही सर्वोत्तम धन है

देवलिया ने कहा कि आज ही के दिन भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू को फांसी दी गई थी। इसलिये अमृत महोत्सव के तहत शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य यही है कि हमें महान बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करना है व उनसे प्रोत्साहित होना। विद्या अध्ययन के साथ-साथ सामाजिक ज्ञान और संस्कृति से परिचित रहने की समझाईश देते हुये कहा कि शिक्षा का ज्ञान ही सर्वोत्तम धन है तथा ज्ञान और शिक्षा से ही छात्रों का भविष्य बेहतर हो सकता है। संवैधानिक, मौलिक अधिकार, कर्तव्य, निःशुल्क विधिक सहायता, महिलाओं के अधिकार, घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण आदि की जन उपयोगी कानूनों की छात्र-छात्राओं को विस्तार से जानकारी दी गई। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी मुकेश कौशल, जिला शिक्षा अधिकारी जीपी ओझा, जिला युवा अधिकारी प्रीति, स्कूल प्राचार्य महेन्द्र कुमार खुराना उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन हरीश कुंडल ने किया।

पॉलिसीधारको नें किया धरना प्रदर्शन

माही की गूंज, झाबुआ। मंगलवार को अधिकर्ताओं के तीनों संगठनों द्वारा एक साथ, एक मत होकर 23 मार्च शहीद दिवस के अवसर पर अधिकर्ताओं, विकास अधिकारियों तथा पॉलिसीधारको के साथ हो रहे अन्याय के विरोध में एलआईसी मैनेजमेन्ट तथा सरकार को सतर्क करने के लिए एक दिन के लिए काम बन्द रखने का आव्हान किया गया। जिसमें भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कार्यालय के मेन गेट पर अपनी मांगों को लेकर नारे लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमें शाखा में नया बीमा या प्रीमियम जमा किए बिना ही दिन निकाला जिससे शाखा में भी दिनभर सुनापन ही रहा। ऑल इंडिया लाईफइंश्योरेंस एजेंट्स ऑफ्फेडिया के बैनर तले अधिकर्ताओं द्वारा अपने तथा बीमा धारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए लगातार अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन तथा नारेबाजी व आशिक कार्य बंद कर शीर्ष नेतृत्व को जागृत करने के लिए आंदोलन किया जा रहा है।

हॉट स्पॉट बना कुशलगढ का नेहरू मार्ग

माही की गूंज, कुशलगढ (राज.)। कस्बे मे लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के चलते लोगों मे दशहत का माहौल है। मंगलवार को आए 7 कोरोना केस सहित 42 मे से 33 केस सिर्फ्वार्ड नंबर 9 मे होने से नेहरू मार्ग जो कस्बे का मुख्य मार्ग है वह हॉट स्पॉट बना गया है। उपखंड अधिकारी बद्रीलाल सुथार ने वार्ड 9 और 13 मे आवागमन निषेध कर कन्टेमेंट जोन बनाया है। चिकित्साअधिकारी डॉ अनिल जैन ने बताया कि, मंगलवार को 118 लोगो के सेम्पल लिए गए है, उपखंड अधिकारी ने लोगो से आगे आकर अधिक से अधिक सेम्पलिंग करवाने और 60 वर्ष से अधिक आयु वाले लोगों को

जेल से छुटा तुकाराम की तूती पेटलावद ग्रुप में होली तक तो रायपुरिया ग्रुप में मई तक बोलेगी

जेल में भी जमाया रुतबा अन्य कैदियों से हटकर स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाता था चोटीधारी तुकाराम

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद

राणापुर थाने में अपराध क्रमांक 135/20 धारा 34/(2) 36 आबकारी एक्ट में आरोपी शराब माफिया चोटीधारी तुकाराम थाने में अपराध दर्ज के दिन से ही पुलिस को चकमा देकर फारी काट राणापुर के बाद रायपुरिया व पेटलावद रूप में पार्टनर होकर अपना अवैध शराब का कारोबार क्षेत्र में खुलेआम वैध दुकानों की आड़ में कर रहा था। दोनों रूप में तुकाराम की ऐसी तूती की वो जो कहे वही हो और होली त्योहार के चलते जमकर अवैध शराब छोई जाएगी। तुकाराम को राणापुर मामले में 23 जनवरी को पुलिस ने पेटलावद शराब ऑफ्सि से गिरफ्तार किया था।

करीब 2 माह की जेल की हवा खाकर जमानत पर रिहा हुआ और फिर अपनी तूती बजाने पेटलावद व रायपुरिया की शराब ऑफ्सि पर आकर अपना कार्यभार संभाल कर क्षेत्र में अवैध शराब सप्लाई किस तरह से हौली के त्यौहार पर ज्यादा से ज्यादा कैसे हो के समीकरण पेटलावद एवं रायपुरिया रूप के पार्टनर एवं तुकाराम की चमचागिरी करने वाला पिंटू के साथ कर रहे हैं।

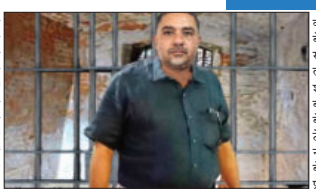
शराब माफिया उर्फ चोटीधारी तुकाराम आया जेल से बाहर।

शासन को कर रहे गुमराह

वही समीकरण की बेला में पेटलावद शराब की दुकान में शासन को गुमराह करने के लिए शराब दुकान में पेटलावद रूप की शराब दुकान में नुकसानी बताकर आगामी शासन द्वारा दो माह के लिए दुकान का संचालन करने के लिए मना कर शराब दुकान को छोड़ दी। शासन ने 2 माह के लिए दुकान का आनलाइन प्रक्रिया के साथ किया, जिसमे अल्केश रूप ने नुकसान बताएं जाने वाली शराब दुकानों पर करीब 5 प्रतिशत वर्तमान बेसिक लायसेंस फ्रीस से अधिक राशि का टेंडर डालकर दुकान ले ली। वही तुकाराम रूप उक्त शराब दुकानो में नुकसानी बताकर भी फ्रि से गुमराह कर बेसिक फ्रीस से कम राशि का टेंडर लाइसेंसी नीलेश रावैर के नाम से डाला गया था। परंतु बेसिक फ्रीस से करीब 5 प्रतिशत अधिक राशि के साथ अल्केश रूप के द्वारा दुकान लेने के बाद अब पेटलावद रूप से हाथ मलता रह गए और अब तुकाराम की तूती पेटलावद रूप पर होली पर्व तक बोलेगी तथा रायपुरिया रूप में आगामी 2 माह तक अपनी तूती का डंका बजाकर अवैध कारोबार करेगा तो वही पेटलावद रूप में अब अल्केश रूप अवैध शराब ढोने का कार्य 1 अप्रैल से करेगा।

बात करें तुकाराम की तूती की तो जेल में भी अपने पैसों के दम पर ऐशो-आराम जेल की चार दिवारी के बीच 2 माह तक किए। जेल के अंदर की जानकारी रखने वाले हमारे सूत्र की जानकारी अनुसार तुकाराम ने जेल में जेल कर्मचारियों के साथ ऐसी सेटिंग जमाई थी कि, आए दिन उनके परिजन व शराब माफिया मित्र आकर मुलाकात कर सकते थे, इतना ही नहीं बाहरी खाने-पीने के सामान भी जेल में उपलब्ध हो जाता था और जेल में अन्य कैदीयो के बनने वाले खाने में तुकाराम के लिए अलग से तड़का लगाकर सब्जी व दाल बनवाकर परोसी जाती थी यानी तुकाराम जेल में अन्य कैदीयो से अलग स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाता था।

हर किसी की मौत आ कर जाना है अंतिम धाम तक लेकिन स्वार्थी तत्व यह भूलकर मुक्तिधाम में भी अडचन पैदा करने में नहीं कर रहे हैं कोई चुक

माही की गूंज, खवासा।

यह विधि का विधान है कि जिस भी जीव ने जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित ही है। वही इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि, व्यक्ति अपने निजी लाभ के लिए अपने दाव-पेंच का उपयोग कर अपने लाभ हेतु हर कार्य करने के लिए आमदा हो जाता है, तथा बात करें अतिक्रमण की तो अधिकांश जगहो पर राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों की शह के साथ ही शासकीय जगह पर बड़े रूप में अतिक्रमण लोगों ने कर रखे है। जब शासकीय जगहो से अतिक्रमण हटाने या फ्रि किसी विकास कार्य या आमजन की सुविधा एवं व्यवस्थाओं के लिए कार्य किया जाता है, जिसमें भी अतिक्रमणकर्ता अपनी अतिक्रमीत भूमि को भी अपनी भूमि बताकर अपना हक जमा ही लेता है। इतना ही नही खाली भूमि पर भी आमजन की तकलीफ़े का हवाला देकर या गुमराह कर खाली भूमि पर आवाजाही का माध्यम बताकर अपने निजी स्वार्थ के लिए आमजन की सुविधा एवं व्यवस्थाओं के लिए किए जा रहे कार्य में अड़चन पैदा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करने में कोई कसर नहीं छोड़ता है।

यहां तक बात अपनी मानवीय लाभ-हानि की प्रवृत्ति के साथ अपने स्वार्थ पूर्ण विचारों के साथ अपने दाव-पेच खेलता है तो समझ में आता है कि, व्यक्ति अपने लाभ के लिए अपने दाव-पेच लडता ही है वही शासन-प्रशासन को क्या करना है वह अपने स्थान पर है...

लेकिन जब बात आती है व्यक्ति के वैराग्य की तो वह शासकीय भूमि तो क्या अपने निजी भूमि को भी दान कर जन हितेषी के लिए कार्य करने में पीछे नहीं रहता है।

वर्तमान परिवेश में यह कहा जाता है कि अब शमशान में

भी वैराग्य नहीं रहा, जिसके चलते इंसान यह भूल गया कि, उसे एक ना एक दिन उसी शमशान के अंतिम धाम पर जाना ही है।

हम आज बात कर रहे हैं खवासा के मकोडिया फ्टे के समीप खवासा के मुख्य मुक्तिधाम की तो यह मुक्तिधाम आजकल का नहीं होकर कई पीढ़ियों से है तथा खावासा ही नहीं खवासा के आस-पास के गांव के व्यक्तियों के शवो का भी अंतिम संस्कार यहां किया जाता रहा है, जिसके चलते उक्त स्थान का नाम भूतिया खाल भी रखा गया है। उक्त मुक्तिधाम पर बारिश के अलावा अंतिम संस्कार करने पर पानी की किल्लत रहती थी, जिसके चलते अंतिम संस्कार में जाने वाले व्यक्तियों को स्नान हेतु सुविधा के लिए शासकिय हैडपम्प का खनन करवाया गया।

अतिक्रमण का मुख्य पूर्व से है छाया हुआ

उक्त मुक्तिधाम पर सर्व सुविधा हेतु कई प्रयास ग्रामवासियों ने किए कि, यहां बाउंड्रीवाल बनकर आमजन को अंतिम संस्कार में आने वाले को पानी से लेकर लकड़ी या अन्य परेशानी से निजात दिलाकर अंतिम संस्कार की क्रिया को सर्व सुविधा युक्त करने का प्रयास किया जाता रहा है।

इसी प्रयास के साथ उक्त मुक्तिधाम की भूमि सर्वे नंबर 659 रकबा 1.110 हेक्टेयर भूमि शासकीय रिकॉर्ड में गोहा मद में थी, जिसे ग्रामवासियों एवं ग्राम पंचायत की अपील पर अपर कलेक्टर द्वारा जारी आदेश-पत्र क्रमांक 09/अ-59/2016-17 में आदेश पारित कर उक्त भूमि को शमशान मद में घोषित किया।

वही लंबे इंतजार के बाद शासन ने मुक्तिधाम पर बाउंड्री वॉल बनाने हेतु 14 लाख 89 हजार राशि मंजूर कर एजेंसी ग्राम पंचायत खवासा होकर कार्य का भूमि पूजन कर बाउंड्रीवाल का कार्य शुरू किया। कार्य शुरू होते ही उक्त भूमि के हिस्से में अतिक्रमण कर खेती करने वाले एक राजस्व कर्मचारी ने अपनी पत्नी व बेटे के साथ कुछ लोगों का सहारा लेकर उक्त कर्मचारी अपने आप को अमर जड़ी खाकर आया है समझकर बाउंड्रीवाल निर्माण में अड़चन पैदा करने का असफ्ल प्रयास कर मुक्तिधाम के बीचो-बीच से रास्ते की मांग उनके खेत से मंकान तक जाने की मांग कर रहे हैं जब की कर्मचारी ने मुक्तिधाम की कुछ भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है फ्रि भी वह अपनी भूमि में रास्ता देकर अपने घर तक जाने का रास्ता बनाने की बजाए कलेक्टर के नाम आवेदन एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से तहसीलदार को आवेदन देने की कार्रवाई का प्रयास कर मुक्तिधाम परिवर्तित मद की भूमि को गोहा मद में परिवर्तित करने की मांग कर बाउंड्रीवाल नहीं बनाए जाने की मांग कर रहे हैं, जिसकी आमजन निंदा भी कर रहे हैं। वहीं राजस्व कर्मचारी अपना नाम अलग रख अपने पुत्र को आगे कर पत्रकारों से भी अनर्गल समाचार छपवाने में भी कोई चूक नहीं कर रहा है।

ग्रामवासियों का एकमत से कहना है कि, ग्राम पंचायत उक्त बाउंड्रीवाल के निर्माण को गुणवत्ता युक्त कार्य कर अपना कार्य करें, किसी भी अड़चन की स्थिति में पूरे ग्राम के व्यक्ति ग्राम पंचायत के साथ मुक्तिधाम की बाउंड्रीवॉल बनाने के लिए साथ में खड़े हैं।

व्यापारी संघ भी अपने दायित्वो को निभाने में नहीं रहेगा पीछे

हर किसी के जीवन के बाद मृत्यु होना निश्चित है इसी वैराग्य के साथ उक्त मुक्तिधाम के निर्माण एवं विकास के लिए खवासा के सकल व्यापारी संघ के सदस्यों ने भी कहा कि, ग्राम पंचायत उक्त बाउंड्रीवाल को बनाएं। पूरी बाउंड्रीवाल बनाने के बाद खवासा संकल व्यापारी संघ ग्रामवासियों के सहयोग के साथ भूतिया खाल मुक्तिधाम को अंतिम संस्कार हेतु सर्व सुविधा युक्त बनाकर लकड़ी हेतु एक हाल, नहाने-धोने हेतु टंकी एवं पाइपलाइन, बाथरूम, शौचालय आदि सुविधा के कार्य के लिए तत्पर रहेगा।

अतिक्रमण के चलते कम भूमि में बन रही बाउंड्रीवाल

बाउंड्रीवॉल के भूमि पूजन के बाद मौके पर नायब तहसीलदार एवं पटवारी भी ग्रामवासियों के साथ अवलोकन करने पहुंचे, जहां प्रथम दृष्टिया यह स्पष्ट रूप से पाया गया कि, शमशान मद की 1.110 हेक्टेयर भूमि पर राजस्व के ही कर्मचारी एवं परिवार के अतिक्रमण के चलते करीब 70-75 प्रतिशत भूमि ही शमशान मद में खाली पड़ी है, चूंकी सर्वसुविधा युक्त मुक्तिधाम व बाउंड्रीवाल बनने में ग्रामवासी, प्रशासन या अन्य किसी के बीच भी किसी प्रकार का मनमुटाव न हो के उद्देश्य से अतिक्रमीत भूमि को छोड़ खाली पड़ी कम भूमि पर ही ग्राम पंचायत द्वारा बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जा रहा है।

सीएमओ के लिए भस्मासुर बनी नगर परिषद पेटलावद

चार साल में 6 सीएमओ रवाना, विकास कार्य पर लगा विराम

माही की गूंज, पेटलावद।

वर्तमान परिषद नगर विकास के दावों पर खरी नही उतर पाई है, नगर परिषद चुन कर आने के बाद से लगातार विवादों में घिरती नजर आती रही है, कभी पानी की समस्या, तो कभी अतिक्रमण मुहिम, तो मास्क के नाम पर वसुली, तो कभी नामांतरण, तो कभी आरओ वाटर लाइन के कछवा गति से चल रहे कार्य, कभी नगर में होने वाले निर्माण कार्यो को लेकर विवाद, कभी कर्मचारियों के साथ अध्यक्ष की मारपीट, तो कभी नगर परिषद कर्मचारियों का विवाद नगर परिषद के लिए पिछले चार सालों में कुछ भी सही नही घटा है ऊपर से इन चार सालों में 6 सीएमओ का स्थान्तरण केवल पेटलावद ही नही जिले के इतिहास में किसी भी एक अध्यक्ष के कार्यकाल में इतने सीएमओ के स्थान्तरण का पहला रिकॉर्ड कहा जा सकता है। मनोहर लाल भटेवरा के इस कार्यकाल में कुछ भी सही नही घट रहा है जिस कारण नगर के विकास को पूर्ण विराम लग गया।

फिर हुआ सीएमओ ट्रांसफर, नया कोन अभी तय नही

पेटलावद नगर परिषद, सीएमओ के लिए भस्मासुर साबित हो रही है यहां एक के बाद एक अब तक 5 सीएमओ की स्वानगी के बाद वतर्मान सीएमओ मनोज का स्थान्तरण गंधवानी जिला धार के लिए कर दिया गया जो इस परिषद से स्थान्तरण होने वाले छटवे सीएमओ है। फिलहाल नया सीएमओ कौन होगा ये तय नही हुआ है क्योंकि शासन ने अभी नए सीएमओ की नियुक्ति नही की है और मनोज शर्मा अभी भी यही जमे हुए है, बताया जा रहा है कि, अगले सीएमओ के आने तक शर्मा यही रुकेंगे ओर हो सकता है अपना स्थान्तरण निरस्त करवाने में भी सफल हो जाए।

नही हो पा रहा विकास कार्य

लगातार विवादों ओर सीएमओ के स्थान्तरण के बीच नगर विकास की गति बिल्कुल ठप्प हो गई है, परिषद के एजेंडे में शामिल कई बड़े कार्य को परिषद मूर्त रूप नही दे पा रही है ऊपर से जो काम शुरू होता है उसमें बड़े विवाद खड़े हो रहे है, परिषद, पार्क की जगह पर मार्केट बनाना चाहती है जिसको लेकर परिषद गंभीर आरोपो में घिर गई, नतीजन इस योजना को विराम देना पड़ा। वार्ड क्रमांक 8 में परिषद द्वारा अम्बेडकर की मूर्ति लगाने के विवाद में कई लोगो को जेल की हवा खानी पड़ गई, तो वार्ड क्रमांक 5 में गोदाम निर्माण की जमीन को लेकर कई पक्ष आपत्ति लेकर एसडीएम के पास पहुंच गए, आरओ प्लांट की नल जल योजना से नगर के खुदे रोडो की रिपेयरिंग नही होने से वर्तमान परिषद का हर वार्ड में विरोध हो रहा है।

चार सालों में कोई उपलब्धि नही, बचे एक साल में बड़ी चुनोतियां सामने

देखा जाए तो बीते चार वर्षों में परिषद की झोली में कोई बड़ी उपलब्धि नही है, ज्यादातर काम या तो रुके पड़े है या फिर विवाद की वजह से फाइलों में दब गए है। भाजपा का गढ़ माने जाने वाले पेटलावद में राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकार होने का कोई लाभ नही होता दिख रहा है, अब परिषद के पास अपने असफल कार्यकाल पर पर्दा डालने के लिए एक वर्ष का कार्यकाल बाकी है इस बचे एक वर्ष में बड़ी चुनोतियां वर्तमान परिषद के सामने है जिस में नगर विकास की भावी योजनाओ को पूरा करने का प्रयास किया जा सकता है, जिसमे मनोहर लाल भटेवरा और उनकी परिषद, जनता से किए वादों पर खरे उतरते है ये देखना होगा जिससे अगले चुनाव में भाजपा केवल वोट बैंक के नाम पर ही नही विकास के नाम पर भी जनता के सामने वोट के लिए झोली फैला सके।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यशाला हुई संपन्न

माही की गूंज, वांदला।

आदमी को मारा जा सकता है, उसके विचार को नहीं, बड़े साम्राज्य का पतन हो जाता है, लेकिन विचार हमेशा जीवित रहते हैं और बहरे हो चुके लोगों को सुनाने के लिए ऊंची आवाज जरूरी है। शहीद भगत सिंह द्वारा असेंबली में बम फेंकने के पूर्व पर्चों पर यह विचार लिखे थे, यह संदेश आज भी प्रेरक है। उक्त विचार शासकिय महाविद्यालय थांदला में ÷आजादी का अमृत महोत्सव÷ की श्रंखला में मंगलवार को भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु के शहादत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता ने व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि, हमारे देश में अमर क्रांति के कार्यों के उज्जवल चरित्रों का स्मरण ही किया जा सकता है क्योंकि उनके बलिदान, कार्य व आचरण अब किवदंती के रूप में ही याद किए जाते हैं, ऐसे भारत माता के वीर सपूत भगतसिंह ने अपने अति संक्षिप्त जीवन में वैचारिक क्रांति की जो मशाल जलाई, उसके बाद अब किसी के लिए यह संभव नहीं है। 8 अप्रैल 1929 को भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त ने केंद्रीय असेंबली में खाली स्थान पर बम फेंककर दुनिया के सामने अपना संदेश रखा था।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर संदीप वामनिया शासकीय महाविद्यालय चंद्रशेखर आजाद नगर ने भी शहीदों को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने की बात कही। विशेष अतिथि के रूप में प्रो. सैलीन मावी ने भगतसिंह के जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में उपस्थित विद्यार्थियों ने भी प्रश्नोत्तरी के रूप में सहभागिता की। इस अवसर पर प्रो. मनोहर सोलंकी, प्रो. हिमांशु मालवीय सहित महाविद्यालय स्टाफ एवं कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन डॉ. बीएल डावर ने किया व आभार डॉ. एमएस वास्केल ने माना।

मनकामेश्वर महादेव मंदिर के समीप प्याऊ का किया गया शुभारंभ

माही की गूंज, झाबुआ। युवा शक्ति संगठन की जिला इकाई झाबुआ द्वारा सोमवार को शहर के छोटे तालाब स्थित श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर के समीप ग्रीष्मकाल में राह चलते लोगों को ठंडा जल उपलब्ध करवाने के लिए प्याऊ का शुभारंभ किया गया। समाजसेवी यशवंत भंडारी, सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष नीरजसिंह राठौर ने राहगीरों को ठंडा पानी पिलवाकर शुभारंभ किया।

संगठन के जिलाध्यक्ष घनश्याम राठौर ने बताया कि प्रतिवर्ष संगठन द्वारा ग्रीष्मकाल में जल सेवा की व्यवस्था की जाती है। इसी के तहत इस वर्ष भी यह प्याऊ लगाया गया है। प्याऊ पर दो नवीन मटकों तथा ग्लास की व्यवस्था कर यहां से प्रतिदिन निकलने वाले आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों, रहवासियों तथा वाहन चालकों को इस प्याऊ पर 24 घंटे पानी मिलेगा।

श्रम विभाग ने 6 बाल एवं किशोर श्रमिकों को मुक्त कराया

माही की गूंज, अलीराजपुर।

बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत बाल एवं किशोर श्रमिकों को विमुक्त किए जाने हेतु मंगलवार को श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं चाईल्ड लाईन के संयुक्त दल द्वारा अलीराजपुर के नगरीय क्षेत्र में भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान सेमलपाटी क्षेत्र में 2 निर्माणाधीन भवनों से 6 बाल एवं किशोर श्रमिकों को मुक्त कराया गया तथा ठेकेदार अरसान पिता कमसिंह सस्तिया ग्राम बडदा फुलमाल तहसील सोण्डवा एवं दिनेश पिता वेस्ता निवासी पटेल फलिया लक्ष्मणी तहसील अलीराजपुर के विरुद्ध बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया। इस कार्रवाई में श्रम विभाग से श्रम निरीक्षक महेन्द्र वर्मा एवं श्रम निरीक्षक रघुनाथ जमरा महिला एवं बाल विकास विभाग से लक्ष्मीनारायण नागर एवं चाइल्ड लाईन से रणजीत डुडवे मौजूद रहे।

सजा का प्रावधान श्रम निरीक्षक अलीराजपुर महेन्द्र वर्मा ने बताया कि, 14 वर्ष से कम आयु के बालकों का किसी भी प्रकार के कार्य में नियोजन तथा 14 से 18 वर्ष तक के किशोरों का खतरनाक प्रक्रियाओं, व्यवसायों में नियोजन पूर्णतः प्रतिबंधित हैं। अधिनियम का उल्लंघन पाए जाने पर नियोजक/ठेकेदार को 6 माह से 2 साल तक की सजा अथवा 20 हजार से 50 हजार तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान हैं।

लोकसंस्कृति का महापर्व मनाया

माही की गूंज, वांदला।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र लोक संस्कृति का महापर्व थांदला नगर में मंगलवार को मनाया गया जहां प्रशासन के आला अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) एमएस गवली, तहसीलदार शक्तिसिंह चौहान, मुख्य नगरपालिका अधिकारी अशोकसिंह चौहान, स्वच्छता निरीक्षक गौरांकसिंह राठौर, द्वारा रोको-टोको अभियान के तहत प्रातः 11 बजे शहर में शासन निर्देशानुसार साइरन हूटर बजाकर ग्रामीण क्षेत्र से पधारे ग्रामीणों को कोरोना महामारी से बचाव हेतु मास्क वितरण कर उन्हें समझाइश दी गई।

सामाजिक सरोकार की भूमिका निभा रहा निःशुल्क मिशन 30 कोचिंग सेंटर

माही की गूंज, कुशलगढ़।

सदंलाई के पास में स्थित गांव जिसमे गोबजी/वमडिया मईडा के कवेलू पोश मकान में आग लगने पूरा घर जल गया था जिससे उसका काफी नुकसान हुआ था। ऐसे में मानवता और समाज सेवा की पहल कायम करते हुए निःशुल्क मिशन 30 कोचिंग सेंटर ने मदद करने की मुहिम चलाई। टीम के साथियों ने मिलकर कुल राशि 10 हजार रूपए की पीड़ित परिवार के लिए मदद की।

बता दे कि, मिशन 30 कोचिंग सेंटर ने निःशुल्क अध्यापन के साथ-साथ पहले भी गुजरात हादसे के लिए काफी राशि एकत्रित कर सहयोग दिया था।

अभी निःशुल्क 30 कोचिंग सेंटर कुशलगढ़ की टीम जिनमें कैलाश पटेल (सरपंच), रमनलाल राणा(सरपंच), महेश मईडा (सरपंच) केसर सिंह डामोर, राकेश देवदा, अधिन डामोर, मुकेश बारिया, डॉ प्रवीण कुमार कटारा, मुकेश पटेल, निलेश डामोर, सन्तोष दामा, महेन्द्र सिंह मईडा, करणसिंह अड़, सुनील गुर्जर, मदन सिंह अड़ आदि उपस्थित रहे।

स्कूल जाती छात्राओं से आवारा लडको द्वारा की जा रही छेड़छाड़ थाने पहुंच कर पालकों ने लगाई पुलिस से गुहार

माही की गूंज, पेटलावद।

महिला सुरक्षा एवं जागरूकता का संदेश देकर सुरक्षा की बात करने वाली पुलिस के सामने स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ का गम्भीर मामला सामने आया है। करडावद स्थित मॉडल स्कूल में पढ़ने जाने वाली छात्राओं के परिजनों ने थाने पर पहुंच कर आए दिन हो रही छेड़खानी की शिकायत दर्ज करवाई है। थाने में की गई लिखित शिकायत मे बताया गया कि, आवारा लड़कों द्वारा गांव करड़ावद तथा पेटलावद की जो लड़किया स्कूल आती-जाती हैं उनके साथ छेड़खानी व परेशान करने की शिकायत कर इस संबंध में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। करड़वद एवं पेटलावद की छात्राओं के परिजनो का आरोप है कि, हमारी लड़कियों मॉडल स्कूल करड़ावद के समीप होकर वहां पर पढ़ने जाती हैं तथा वहां पर पेटलावद बस स्टेंड से लेकर स्कूल के पास तक आवारा लड़के रोज खड़े रहते हैं एवं हमारी लड़कियों से छेड़खानी कर परेशान करते हैं तथा भद्दे इशारें करते हैं एवं उन्हें मानसिक रूप से परेशान करते हैं जिसकी शिकायत हमारी पुत्रीयों द्वारा हमारे घर पर आकर की जा रही हैं, तथा हमारे द्वारा स्कूल के समय वहां पर जाकर देखने पर आवारा लड़कें मान नहीं रहे हैं और बाइको से लड़कियों का पीछा कर रहें हैं और रोड़ के दोनों तरफ झुण्ड लगाकर खड़े हो जाते हैं, छेड़खानी करते हैं। इन गुंडे मवाली टाइप लड़को को भी पुलिस का कोई खौफनहीं हैं हमारे द्वारा भी उन्हें कई बार समझाया गया परन्तु मानतें नहीं हैं और उनमें किसी भी प्रकार का कोई भी खौफ नहीं हैं, आए दिन छेड़खानी करने, परेशान करने एवं प्रताड़ित करने के कारण उनका वहां पर पढ़ना जाना मुशकिल हो गया हैं एवं कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती हैं जिससे हमारी पुत्रीयों में भय का वातावरण हैं।

पहचान कर कार्यवाही की मांग

परेशान छात्राओं के परिजनों ने मांग की है कि, पुलिस द्वारा अपने वाहन से स्कूल समय मे श्रृद्धांजली चौक मे झुंड मे खड़े रहकर नशेड़ी, गुंडा गिर्दि करने वाले लड़कियों का पीछे करने वाले लड़को पर नजर रख कर सख्त पांबदात्मक कार्रवाई करने की मांग की है, शिकायतकर्ताओ ने मौखिक रूप से कुछ संदेही युवकों के हुलिए भी बताए है।

मारपीट कर नोतरे की सवा लाख से ज्यादा नगदी लुटी, सगे भाई व पिता नामजद

माही की गूंज, कुशलगढ़। नितीन झाकरेद

क्षेत्र के मोर गांव मे एक परिवार में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम नोतरे की राशि लुटने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने अपने भाइयों और पिता के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज करवाई है।

पुलिस के अनुसार मोर निवासी प्रेमसिंह पिता जीवा कटारा ने इस संबंध में रिपोर्ट दी है। उसने बताया कि, गांव में रविवार को रायचंद पिता हुरता कटारा के यहा नोतरे का कार्यक्रम था। इसमें उसका भाई बादर नोतरे की राशि इकट्ठी करने के लिए बैठा, जब सभी लोग नोतरा डाल चुके थे तो राशि एकत्र कर वह रायचन्द के यहा से अपने घर जा रहा था। इसी बीच रास्ते में उसके भाई अनिल, कमलेश और उसके पिता जीवा पिता बीजिया ने हमला कर दिया और मारपीट कर 1 लाख 32 हजार 700 रूपए नकदी की पोटली लेकर भाग गए। वारदात के दौरान मारपीट से उसके सिर, कंधे और पीठ पर चोट आई। इस बीच पीछे से आ रहे बादर के अन्य परिजनों ने बीच-बचाव किया तो अरविंद पिता बादर को भी चोट आई और उसकी एक अंगुली भी कट गई। जिस पर पुलिस ने पिता-पुत्र को नामजद कर जांच शुरू कर दी है।

भोजन पैकेट वितरित कर की गई नई मुहिम की शुरुवात

माही की गूंज, वांदला।

भगोरिया के उपलक्ष्य में मीनाक्षी उपाध्याय सेवा समिति की ओर से गर्भवती महिलाओं को शासकीय अस्पताल थांदला में भोजन के पैकट वितरित किए गए वितरित करते समय डॉ मनीष दुबे, समिति के संचालक प्रशांत उपाध्याय, भाजपा मंडलध्यक्ष गोलू उपाध्याय, दिनकर वाजपेई, कोविड-19 प्रभारी प्रणव परमार, कन्नू मोरिया, राजू गरवाल, संजय परमार आदि उपस्थित थे।

इस अवसर पर ब्लड डोनेशन टीम ने 24 घटे इस भोजन सेवा कार्य को धुलेटी से प्रतिदिन शुरू करने के लिए भी मुहिम शुरू की गई और नगर के गणमान्य नागरिकों से इस मुहिम में जुड़ने के लिए निवेदन किया ताकि हर मरीज को शुद्ध सात्विक भोजन उपलब्ध हो सके।

मजदूरी भुगतान में आई लापरवाही सामने, 6 दिन की मजदूरी के लिए 114 रुपये का भुगतान

रोजगार सहायक ने कहा गलती से 19 रुपए फील हो गया आंकड़ा, दूसरे काम मे एडजेस्ट करेगे

माही की गूंज, पेटलावद।

ग्राम पंचायत मोहकमपुरा में पंचायत की गम्भीर लापरवाही का मामला सामने आया है, पंचायत में दो थम वाली नाकी तालाब निर्माण का कार्य चल रहा था, जिस पर ग्रामीणों द्वारा मजदूरी की गई, कार्य के लिए जारी मस्टर के हिसाब से मजदूरी का भुगतान किया जाना था लेकिन जब मजदूरों के खाते में राशि के लिए भुगतान आया तो सब चौक गए, मजदुर को 190 रूपए के हिसाब से 6 दिन के कुल 1140 रुपए खाते मे जमा होने थे, लेकिन रोजगार सहायक की लापरवाही से 19 रूपए,दिन के हिसाब से मात्र 114 रूपए लगभग 20 से 25 मजदूरों के खाते में जमा हो सके, मामले की जानकारी ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक से ली तो उसका कहना है कि, 190 रुपए की जगह 19 रुपए गलती से फील हो गए जिस कारण मजदूरों को 1140 रूपए की जगह 114 रूपए का भुगतान हो गया, बकाया भुगतान के लिए रोजगार सहायक का कहना है कि, दूसरे कार्य मे बकाया मजदूरी को एडजेस्ट करेगे।

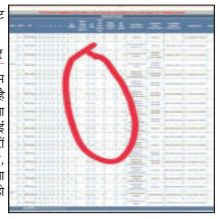

भरने पड़ेंगे फर्जी मस्टर

वर्तमान में तो ग्राम पंचायत में कोई कार्य नही है लेकिन मजदूरों की बकाया मजदूरी के लिए जब भी कोई कार्य शुरू होगा इन मजदूरों के फर्जी मस्टर भरने होंगे, जिससे मजदूरों की बकाया मजदूरी का भुगतान हो सकेगा।

भगोरिया पर्व की तैयारियां हुई शुरू

माही की गूंज, काकनवानी।

काकनवानी पलवाड़ क्षेत्र में भगोरिया पर्व की शुरुआत हो चुकी है। इसी दौर में कई लोगों ने अपने-अपने ढोल मादल तैयार कर ग्रुप बना रहे हैं, कई नेताओं ने पलवाड़ा भी अपना-अपना शक्ति प्रदर्शन करने के लिए तैयारियों में जुट रहे हैं। अब यहां से पलायन कर गए लोगों का भी आना भी शुरू हो गया है, गुजरात के सूरत, बड़ौदा, अहमदाबाद से तीन चर्से सुबह व शाम को सवारीयां भर-भरकर आ रही है। बाजार में भी काफी रौनक देखी जा रही है लोगों में उत्साह भी नजर आ रहा है। पलवाड़ क्षेत्र में करीब 7 से 8 भगोरिया पर्व पड़ते हैं हर गांव में हाट बाजार लगता है जिसमें काफी भीड़-भाड़ भी देखी जाती है।

पलायन से वापस आए लोगों का कहना है कि, गुजरात में कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं जिस कारण से भी हमें यहां से भगाया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि, क्या यहां से आने वाले लोगों को कोरोना का भय है और हो सकता है कि कोरोना वायरस से कोई सर्वमति भी होकर आ रहा हो, ऐसे में जिले में महामारी फैलने से कोई नहीं रोक सकता है। नेताओं के शक्ति प्रदर्शन के कारण जिले में कोरोना वायरस अपना भयानकरूप दिखा सकता है।

बाजार में नहीं रहती पुलिस

भगोरिया पर्व के दौरान बाजार में शराबी, नशेड़ीयों में हुळड़-बाजी, छेड़खानी व मारपीट होती रहती है लेकिन पुलिस बाजार में उपस्थित नहीं होने के कारण कई बार ग्रामीण एवं वो दुकानदार जो बाहर से आते हैं उनके साथ भी लूटपाट हो जाती है। गांव के दोनों छोर पर पुलिस रहती है लेकिन बाजार में नहीं रहती है। हर सप्ताह होने वाले हाट बाजार में पुलिस अवैध रूप से चल रहे वाहनों का चेकिंग करती है व हफ्ता वसूली भी करती है, पुलिस अपने इसी कार्य में मस्त रहती है बाजार में क्या हो रहा है इन्हें कोई मतलब नहीं रहता है। बाजार में धमाल होने पर 100 डायल करते हैं जो 15 से 20 मिनट लगने के बाद ही पुलिस आती है तब तक सारे लोग भाग खड़े होते हैं और व्यापारियों का नुकसान हो जाता है। पुलिस प्रशासन को चाहिए कि, वह भगोरिया पर्व के दौरान लगातार बाजार में अपना गस्त करते रहे जिससे ग्रामवासियों को काफी राहत मिलेगी, साथ ही हुड़दंग करने वाले लोग भी इन्हें देखकर अपनी दिशा बदल लेंगे।

संपादकीय

चुनाव बहुमत के शोर में दबती असहमति की आवाज

ये मामला विवादास्पद है, लेकिन इसके बारे में कोई सीधा रुख तय करना आसान नहीं है। सवाल है कि अगर देश में लोकतांत्रिक संवाद का अभाव होता जाए और चुनावी बहुमत के आधार पर सरकार असहमति या असंतोष की किसी आवाज को सुनने से इंकार करें, तो असंतुष्ट समूहों के लिए क्या रास्ता रह जाता है? ये सवाल इस खबर से उठा है कि मौजूदा किसानों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेता दर्शनपाल ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) से कहा है कि केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों से ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे किसानों और अन्य लोगों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के घोषणा-पत्र का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि इस घोषणा-पत्र पर भारत ने भी हस्ताक्षर कर रखे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के एक बयान में कहा गया कि दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन के 110वें दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा गया। इसी रोज दर्शन पाल ने संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद के 46वें सत्र में वीडियो संदेश भेजा।

अब ये कहा जाएगा कि यह देश के मामले में विदेशी हस्तक्षेप की अपील है। इससे भारत की छवि उस समय और खराब होगी, जब विदेशी संसदों में भारत में लोकतंत्र के कथित दमन की चर्चा हो रही है और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं लोकतंत्र के इंडेक्स पर भारत का दर्जा गिरा रही हैं। इन बातों में दम है। लेकिन असल सवाल देश के अंदर ही है। क्या यह सच नहीं है कि देश में आजादियां संकुचित हो गई हैं? आंदोलनों को राष्ट्र-विरोधी और उन्हें बदनाम करने वाले अलग-अलग नाम दिए जाने की प्रवृत्तियां बढ़ गई हैं। इन सबके लिए आखिर कौन जिम्मेदार है? अगर सरकार देश के अंदर सबको साथ लेकर चलने का भरोसा बंधा पाए, तो फिर शायद इसकी नौबत नहीं आएगी कि लोग अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सामने अपनी मुसीबत बताएं। तब अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के इंडेक्स को लेकर समाज के एक हिस्से में यह धारणा नहीं बनेगी कि आखिर कोई भारत की हालत की तरफ ध्यान दे रहा है। दरअसल, तब शायद वे संस्थाएं ऐसा करेंगी भी नहीं, क्योंकि आखिर उन्हें भारत से कोई निजी वैर नहीं है। आखिर इन संस्थाओं ने ही पहले भारत की ऐसी छवि बनाई, जिससे हमारा एक सॉफ्ट पॉवर बना था। इसलिए इस सवाल पर अवश्य विचार होना चाहिए कि आखिर किसान आंदोलन ने संयुक्त राष्ट्र की संस्था के पास क्यों गुहार लगाई है?

एक देश एक चुनाव पर जल्द सहमति बने

पिछले दिनों एक संसदीय समिति की संसद के दोनों सदनों में पेश रिपोर्ट में कहा गया कि अगर देश में एक चुनाव होता है, तो न केवल इससे सरकारी खजाने पर बोझ कम पड़ेगा बल्कि राजनीतिक दलों का खर्च कम होने के साथ मानव संसाधन का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही मतदान के प्रति मतदाताओं की जो उदासीनता बढ़ रही है, वह भी कम हो सकेगी। प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार कह चुके हैं कि एक देश एक चुनाव अब सिर्फ एक चर्चा का विषय नहीं है, बल्कि ये भारत की जरूरत है। क्योंकि देश में हर महीने कहीं न कहीं बड़े चुनाव हो रहे होते हैं, इससे विकास कार्यों पर जो प्रभाव पड़ता है, उससे देश भली-भांति वाकिफहैं। उनका कहना था कि बार-बार चुनाव होने से प्रशासनिक काम पर भी असर पड़ता है। अगर देश में सभी चुनाव एक साथ होते हैं, तो पार्टियां भी देश और राज्य के विकास कार्यों पर ज्यादा समय दे पाएंगी।

एक देश एक चुनाव की बात कोई नई नहीं है, क्योंकि वर्ष 1952,1957,1962 और 1967 में लोकसभा और राज्य विधानसभा दोनों के चुनाव साथ-साथ हो चुके हैं। लेकिन वर्ष 1967 के बाद कई बार ऐसी घटनाएं सामने आई, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभा अलग-अलग समय पर भंग होती रही है। इसका विशेष कारण अपना विश्वास मत खो देना और गठबंधन का टूट जाना था। लेकिन वन नेशन, वन इलेक्शन आज अपरिहार्य है। वर्ष 1999 में विधि आयोग ने अपनी 170 वीं रिपोर्ट में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने का समर्थन किया था। लेकिन इसके लिए संविधान में संशोधन करने की जरूरत होगी। क्योंकि यह देखा गया है कि पूर्व में विधानसभाएं समय रहते ही भंग होती रही हैं। जाहिर है कि कई राज्य विधानसभाओं का समय सीमा भी कम करना होगा और कई का समय सीमा बढ़ाना भी पड़ेगा। यही समस्या लोकसभा में भी हो सकता है। अतः इन तमाम मुश्किलों से निदान पाने के लिए अनुच्छेद 83, 85, 172 और अनुच्छेद 174 के साथ अनुच्छेद 356 में भी संशोधन करना होगा। साथ में लोक प्रतिनिधि कानून में भी बदलाव की जरूरत होगी।

एक देश एक चुनाव के अनेक फायदे हैं, जो देश की प्रगति को नई दिशा प्रदान करेंगे, क्योंकि बार-बार चुनावों में खर्च होने वाली धनराशि बचेगी, जिसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य और जल संकट निवारण आदि ऐसे कार्यों में खर्च कर सकेंगे। लोगों के आर्थिक जीवन के साथ सामाजिक जीवन में सुधार सुनिश्चित हो सकेगा। कई देशों ने विकास को गति देने के लिए एक देश एक चुनाव का फार्मूला अपनाया। जैसे-स्वीडन में पिछले साल आम चुनाव, काउंटी और नगर निगम के चुनाव एकसाथ कराए गए थे। इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, जर्मनी, स्पेन, हंगरी, स्लोवेनिया, अल्बानिया, पोलैंड, बेल्जियम भी एक बार चुनाव कराने की परंपरा है।

एक साथ चुनाव से आर्थिक बोझ कम होगा, क्योंकि वर्ष 2009 लोकसभा चुनाव में ग्यारह सौ करोड़ वर्ष 2014 में चार हजार करोड़ और वर्ष 2019 में प्रति व्यक्ति बहत्तर रुपये खर्च हुआ था। इसी प्रकार, विधानसभाओं के चुनाव में भी यही स्थिति नजर आती रही है। बार-बार चुनाव के कारण आचार सहिताओं से राज्यों को दो चार होना पड़ता है, जिससे सभी विकास कार्य बाधित होते हैं। इससे शिक्षा क्षेत्र भी अत्यधिक प्रभावित होता है और अलग-अलग चुनाव से काले धन का अत्यधिक प्रवाह भी होता है। यदि एकसाथ चुनाव होगा तो काले धन के प्रवाह पर निश्चित रोक लगेगी। साथ ही लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ होने से आपसी सौहार्द बढ़ेगा, क्योंकि चुनाव में बार-बार जाति-धर्म के मुद्दे नहीं उठेंगे और आम आदमियों को भी तमाम परेशानियों से मुक्ति मिल सकेगी।

नतीजतन, एक साथ चुनाव देश के हित में विकास को परिलक्षित करता है। निश्चित ही एक साथ चुनाव से कुछ समस्याओं का सामना भी करना होगा लेकिन सदैव के लिए इससे मुक्ति पाने के बाबत एक देश एक चुनाव जरूरी है। इससे क्षेत्रीय पार्टियों पर संकट आ सकता है और उनके क्षेत्रीय संसाधन सीमित हो सकते हैं, क्षेत्रीय मुद्दे भी खत्म हो सकते हैं और चुनाव परिणाम में देरी भी हो सकती है। साथ ही अतिरिक्त केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की आवश्यकता भी होगी। अतः इनकी भारी संख्या मे नियुक्ति की जरूरत पड़ेगी। एक साथ चुनाव कराने के लिए ईवीएम की पर्याप्त आवश्यकता होगी, क्योंकि आज वर्तमान समय में बारह से पंद्रह लाख ईवीएम का उपयोग किया जाता है। लेकिन जब एक साथ चुनाव होंगे तो उसके लिए तीस से बत्तीस लाख ईवीएम की जरूरत होगी। इसके साथ वीवीपैट भी लगाने होंगे। इन सब को पूरा करने के लिए चार से पांच हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त आवश्यकता होगी। निश्चित ही पूंजीगत खर्च तो बढ़ेगा ही, क्योंकि एक साथ तीस से बत्तीस लाख ईवीएम की जरूरत को पूरा करना होगा और प्रति तीन बार चुनाव अर्थात् पंद्रह साल में इनको बदलना भी होगा, क्योंकि इनका जीवनकाल पंद्रह साल तक ही होता है। लेकिन एक साथ चुनाव से अनेक फायदे भी होंगे। एक देश-एक चुनावश् से सार्वजनिक धन की बचत तो होगी ही वही दूसरी ओर प्रशासनिक सेटअप और सुरक्षा बलों पर भार भी कम होगा तथा सरकार की नीतियों का समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा और यह भी सुनिश्चित होगा कि प्रशासनिक मशीनरी चुनावी गतिविधियों में संलग्न रहने के बजाय विकासात्मक गतिविधियों में लगी रहे।

तालजीत जायसवाल

रिपोर्ट के अनुसार, आम चुनाव में राजनीतिक दल सात हजार करोड़ रुपए खर्च करते हैं और राज्य विधानसभा चुनाव में भी इतना ही खर्च होता है तो दोनों को मिलाकर 1.20 लाख करोड़ रुपए राजनीतिक दलों द्वारा खर्च किए जाते हैं। अब जब एक चुनाव से प्रचार भी एक ही बार करना होगा इसलिए खर्च घटकर आधा रह जाएगा। निश्चित ही पर्याप्त धन की बचत होगी जो देश कि दशा और दिशा का निर्धारण कर सकेगा।

एक देश, एक चुनाव की अवधारणा में कोई बड़ी खामी नहीं दिखती है, किन्तु राजनीतिक पार्टियों द्वारा जिस तरह से इसका विरोध किया जाता रहा है, उससे लगता है कि इसे निकट भविष्य लागू कर पाना संभव नहीं हो सकेगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत हर समय चुनावी चक्रव्यूह में घिरा हुआ नजर आता है। चुनावों के इस चक्रव्यूह से देश को निकालने के लिये एक व्यापक चुनाव सुधार अभियान चलाने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री लम्बे समय से लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एकसाथ कराने पर जोर देते रहे हैं। लेकिन इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की राय बँटी हुई रही है। पिछले साल जब लॉ कमीशन ने इस मसले पर राजनीतिक पार्टियों से सलाह ली थी, तब समाजवादी पार्टी, तेलंगाना राष्ट्र समिति, शिरोमणि अकाली दल जैसी पार्टियों ने इण्डेक देश, एक चुनावश् की सोच का समर्थन किया था। अतः अब समय आ गया है कि देश के सभी राजनीतिक दलों को एकजुटता के साथ सरकार के एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर चर्चा कर इसे लागू कराने पर अपनी सहमति देनी चाहिए। यह राजनीतिक नहीं अपितु विकास का मुद्दा है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भगवान के घर में भेद-भाव कैसा?

ताजा खबर यह है कि उत्तराखंड के सभी मंदिरों में अब यह प्रतिबंध लगेगा कि उनमें कोई मुसलमान नहीं जा सकता। क्यों नहीं जा सकता? इसके उत्तर में हिंदू युवावाहिनी के लोगों का अपना तर्क है। वे कहते हैं कि इन मंदिरों में पहुंचकर मुसलमान लड़के हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। यदि सचमुच ऐसा होता है तो यह बहुत बुरा है लेकिन इनसे कोई पूछे कि क्या यही काम अन्य स्थानों पर नहीं होता होगा? यदि होता है तो देश के स्कूलों-कालेजों, मोहल्लों, बाजारों, अस्पतालों, सड़कों आदि में हर जगह पर प्रतिबंध की मांग ये लोग क्यों नहीं करते? ये प्रतिबंध हर जगह लगवाइए और आप देश में एक नए पाकिस्तान की नींव डाल दीजिए। लालच, भय और बहका कर की गई कोई भी शादी अनैतिक है, वह हिंदू से मुसलमान की हो या मुसलमान से हिंदू की!

मैं अंतर्धार्मिक, अन्तर्जातीय, अंतरप्रांतीय और अंतर्वर्गीय शादियों का सदा स्वागत करता हूं क्योंकि वे भारत की एकता और सहिष्णुता को बलवान बनाएंगी। देश की कोई भी मस्जिद हो, मंदिर हो, गिरजा हो, गुरुद्वारा हो, साइनेगॉग हो, वहां सबको जाने की अनुमति क्यों नहीं होनी चाहिए? यदि धर्म-स्थल भगवान के घर हैं तो वहां भेद-भाव कैसा? यदि आप भेद-भाव करते हैं तो यह साफ है कि आपने भगवान के घर को अपना घर बना लिया है।

यदि ईश्वर एक है तो सभी मनुष्य उसी एक ईश्वर के बच्चे है। मैं न तो मूर्ति-पूजा करता हूं, न नमाज पढ़ता हूं और न ही बाइबिल की आयतें लेकिन मुझे देश और दुनिया के मंदिरों, मस्जिदों, गिरजों, गुरुद्वारों और साइनेगागों में जाना बहुत अच्छा लगता है। वहां मुझे बहुत शांति, भव्यता और पवित्रता का अनुभव होता है। मुझे आज तक ताशकंद, काबुल, तेहरान, ढाका, अबू धाबी, लाहौर, पेशावर आदि की मस्जिदों में जाने से किसी ने कभी नहीं रोकाय रोम, पेरिस और वाशिंगटन के गिरजाघरों में मेरे भाषण भी कई बार हुए। लंदन के साइनेगॉग में अपने यहूदी मित्रों के साथ भी मैं उनकी प्रार्थना में शामिल हुआ। मैं तो भगवान से बड़ा इंसान को मानता हूं। सभी इंसानों को खुशी और भला ही सबसे बड़ा धर्म है। सारे धर्म और धर्मग्रंथ ईश्वरकृत हैं, इसमें भी मुझे संदेह होने लगा है लेकिन इनका आदर इसलिए जरुरी है कि इनके माननेवालों के लिए आपके दिल में प्रेम और सम्मान है। वह पूजा-गृह भी क्या पूजा-गृह है, जहां किसी अन्य पूजा-पद्धतिवालों का प्रवेश-निषेध हो ?

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

कोरोना: गंभीर संकट को दावत देती लापरवाही

कोरोना वायरस की नई वेव और स्ट्रेन ने महाराष्ट्र, केरल, गुजरात, पंजाब, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश सहित लगभग आठ राज्यों में कोहराम मचाना शुरू कर दिया है। एक ही दिन में देश में लगभग 44 हजार कोरोना संक्रमितों की संख्या आना शुरू हो गई है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि वायरस से मरने वालों का प्रतिशत भी बढ़ रहा है। लोगों की घोर लापरवाही के कारण देश पर एकबार फिर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

वायरस का नया स्ट्रेन बेहद परेशान करने वाला है। ब्रिटेन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के बाद फ्रांस और अब भारत में भी पाया गया है। वहां कई ऐसे संक्रमित मामले मिले हैं जिसने विज्ञानियों को भी चुनौती दे दी है। नए वायरस से लोगों के संक्रमित होने के बावजूद उनकी जांच रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है। अहम सवाल यह है कि नया स्ट्रेन विकराल रूप ले, इसके पहले ठोस रणनीति बनाए जाने की जरूरत है कि इससे कैसे निपटा जाए? कहीं ऐसा न हो कि देश में एकबार फिर पहले जैसे हालात बन जाएं।

विकराल होती इस बीमारी से निपटने की युक्ति और रणनीति पर विचार करने के पहले हमें इस पर चिंतन कराना होगा कि आखिर यह समस्या बढ़ क्यों रही है और इसके लिए जिम्मेदार कौन हैं? सर्वविदित है कि जब गत वर्ष चीनी वायरस का प्रकोप हमारे देश में बढ़ रहा था, 24 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संपूर्ण देश में लॉकडाउन कर दिया था। ऐसा करने के चलते कोरोना संक्रमण को रोकने अथवा कम करने में मदद मिली थी, लेकिन यह भी सचाई है कि इसके कारण देश की उत्पादकता और अर्थव्यवस्था चरमरा गई। उससे निजात पाने के लिए सरकार और जनता आज भी संघर्ष कर रही है।

सरकार ने सख्ती बरती और लोगों ने सावधानी। इससे वायरस के संक्रमण पर नियंत्रण संभव हो सका। लेकिन स्थितियां जैसे ही कुछ सामान्य होना शुरू हुईं, लोगों ने घोर लापरवाही बरतना शुरू कर दिया है। लोगों ने मास्क और सेनिटाइजर से दूरी बनाना शुरू कर दिया है। सार्वजनिक स्थागनों पर भी बिना मास्क के नजर आ रहे हैं। शादी-विवाह समारोह, चुनावी रैलियां, अन्य सार्वजनिक समारोहों, बस, ट्रेन, मेट्रो इत्यादि में लोग बिना मास्क नजर आ रहे हैं। समारोहों और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का प्रयोग करते समय सोशल डिस्टेंसिंग सहित कोरोना प्रोटोकाल की धज्जियां जमकर उड़ाई जा रही हैं। कई प्रदेशों में बहुत तेजी से संक्रमण बढ़ रहा है। महाराष्ट्र, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश के कई जिलों में प्रदेश सरकारों ने अलग-अलग तरीके से कर्फ्यू या लॉकडाउन अथवा कुछ प्रतिबंधों की घोषणा की है।

एक वर्ष पूर्व संपूर्ण भारत में लॉकडाउन करने के पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य यह था कि उस समय देश इस बीमारी से लड़ने के लिए तैयार नहीं था। उसके पास मास्क, सेनिटाइजर, वेंटीलेटर अस्पतालों तक की भीषण कमी थी। इसलिए ऐसा करना सरकार की मजबूरी थी। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। भारत मास्क, सेनिटाइजर, वेंटीलेटर बनाने के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है। हमने कोरोना की वैक्सीन भी तैयार कर ली है और चार करोड़ से अधिक लोगों को यह टीका लग भी चुका है। कहने का आशय यह है कि अब हम महामारी से लड़ने में सक्षम हैं। लेकिन अत्यंत चिंताजनक बात यह है कि जो नया स्ट्रेन भारत में आया है, वह कोरोना की आरटीपीसीआर जांच में पकड़ में नहीं आ रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि नए स्ट्रेन का स्पाइक प्रोटीन कई बार म्यूटेट हो चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी इस बात को स्वीकार किया है कि भारत में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन आ चुका है।

अमित मिगम

निस्संदेह, इसबार हम पहले की अपेक्षा अधिक तैयार हैं, पर हमारी जरा-सी लापरवाही बहुत महंगी पड़ सकती है। नया कोरोना वायरस न केवल टेस्ट से पकड़ में आ रहा है बल्कि वह पिछली बार की तुलना में अधिक घातक है। इसके अलावा उसके फैलने की रफ्तार भी कई गुना तेज है। इस वास्तविकता को हर नागरिक को समझने की जरूरत है। वैक्सीन हर राज्य में पर्याप्त? मात्रा में पहुंच चुकी है, लेकिन कई ऐसे राज्य हैं, जहां लोग वैक्सी?न लगवाने के प्रति उदासीनता दिखा रहे हैं और सरकारी स्टोर वैक्सीन से भरे पड़े हैं। लोग मास्क और सेनेटाइजर से परहेज कर रहे हैं। भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने में अभी भी सावधानी बरतने की जरूरत है।

लॉकडाउन इस समस्या का समाधान नहीं है। अगर लॉकडाउन फिर लगाना पड़ा तो हमारी अर्थव्यवस्था फिर कई साल पीछे चली जाएगी। भारत पर गंभीर संकट मंडरा रहा है, इसलिए देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें ज्यादा सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है। हम इसका बिल्कुल इंतजार न करें कि सबकुछ सरकार करे अथवा वह हम पर प्रतिबंध लगाए और हम उसका अनुसरण करने को बाध्य हों।

दुनिया में मानवाधिकारों का हनन? ज्वलंत प्रश्न

भारत के संविधान में संविधान निर्माताओं ने आम नागरिक के अधिकारों के साथ कर्तव्यों का भी उल्लेख किया है। इन्हें संविधान में नीति निदेशक तत्व कहा है। नीति निदेशक तत्वों में विश्व बंदनीय अहिंसा के अवतार भगवान महावीर के पावन संदेश ज्जियो और जीने दोष् के साथ विश्व शांति प्राणी मात्र के कल्याण की भावना समाहित की गई है। इसी प्रकार मौलिक अधिकारों में आम आदमी के सर्वांगीण विकास की कानूनी व्यवस्था की गई है।

भारतीय संविधान में सुप्रसिद्ध कानून विद डॉ भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माताओं ने आम नागरिक के मानवाधिकारों का हनन न हो इसकी समुचित व्यवस्था की है। दुनिया के अनेक देशों में आम आदमी के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एक नहीं अनेक प्रयास किये हैं। मानवाधिकारों की रक्षा हेतु सर्वप्रथम ब्रिटेन में सन 1215 में महान घोषणा पत्र प्रकाशित हुआ। इस घोषणा पत्र में उल्लेख किया है किसी नागरिक को उस समय तक बंदी न बनाया जाये और न ही निर्वासित किया जाये, जब तक उसका अपराध सिद्ध न हो जाये। ब्रिटेन में ही सन 1679 में बंदी प्रत्यक्षीकरण अधिनियम पारित किया गया। जिसमें व्यवस्था की गई कि बिना अभियोग चलाये किसी भी व्यक्ति को नजरबंद नहीं रखा जा सकता। ब्रिटेन में ही सन 1689 में अधिकार पत्र पारित कराया इसमें अन्य बातों के अलावा यह व्यवस्था थी कि संसद में जनता के प्रतिनिधियों को भाषण की स्वतंत्रता होगी। दुनिया में मानवाधिकारों की रक्षा पर अटलांटिक चार्टर सन 1941 एवं संयुक्त राष्ट्र संघ घोषणा 1942 से बल मिला। संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में मूलभूत मानवीय अधिकारों में गौरव तथा मूल्यों में, स्त्री व पुरुषों के समान अधिकारों को पुनः स्वीकार किया गया।

कुछ आवश्यक संशोधनों के साथ 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने सर्वसम्मति से पारित किया। इस मानवाधिकार घोषणा पत्र में प्रस्तावना सहित 30 अनुच्छेद हैं। इसके बाद 1993 में वियना में मानवाधिकारों को बढ़ावा देने के लिये सम्मेलन हुआ। जिसमें 171 देशों ने सहयोग करने का आश्वासन दिया। जिसका अनुमोदन दिसंबर 1993 में संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा में किया। वियना घोषणा में उल्लेख किया बढ़े पैमाने वाले मानवाधिकारों के हनन, विशेष कर जनसंहार, जातीय विद्वेष और बलात्कार, आत्मनिर्णय, वर्तमान और भविष्य की पर्यावरण संबंधी जरूरतों,परेशानी में रह रहे लोगों,विशेष रूप से अप्रवासी श्रमिकों, विकलांग व्यक्तियों और शरणार्थियों के साथ महिलाओं और बालिकाओं के मानवाधिकारों पर बल दिया गया।यहाँ यह विचारणीय प्रश्न है यद्यपि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों की हर स्तर पर रक्षा करने का संकल्प लिया गया है। दुनिया का हर देश भी चाहता है उसके नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। परन्तु सरकारें यह जानते हुए कि उनकी रक्षा करना चाहिए, व्यवहारिक रूप देने में असफल हैं। भारत में हम आम नागरिकों की स्थिति को देखें तो आजादी के 74 वर्ष बाद भी दयनीय स्थिति है।

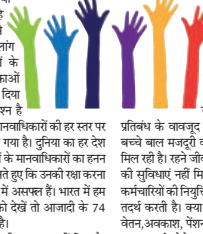

ग्रामीण अंचल में आज भी छुआछूत नहीं मिटा है। दलितों को गाँव के कुए से पानी नहीं भरने दिया जाता है। गाँव के जमींदार ठाकुर साहब या मुखिया के मकान के आगे से भी दलितों हरिजनों को जूते चप्पल पहनकर निकलने की अनुमति नहीं है। ग्रामीण अंचल में दलितों को अपने बेटे की बारात दूल्हे को घोड़े पर बैठाकर निकालने की अनुमति नहीं है। कोई हरिजन दलित इन पुराने दकियानूसी नियमों को तोड़ने का दुस्साहस करता भी है तो उस पर अनेक अत्याचार होते हैं। गोली चल जाती है मकान खेत में आग लगा दी जाती है। गाँव से ही निकाल दिया जाता है।हमारे देश भारत में ही करोड़ों बच्चे भीख मांगते देखे जाते हैं। 10 से 15 वर्ष के बच्चे देश में लाखों करोड़ों की संख्या में रेल स्टेशनों के आसपास प्लास्टिक की थैली एवं प्लास्टिक की पानी की खाली बोतल एकत्रित करते दिख जायेंगे। गरीब के बच्चे पढ़ते भी हैं तो उन्हें कक्षा 5 में जोड़ना घटाना नहीं आता है। उन्हें 10 तक पहाड़ा नहीं सिखाया जाता है। इन सब विसंगतियों के बावजूद उन्हें कक्षा 5 तक अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण कर दिया जाता है। भारत में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध के बावजूद करोड़ों 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे बाल मजदूरी कर रहे हैं, उन्हें पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही है। रहने जीवन यापन करने रोटी कपड़ा मकान की सुविधाएं नहीं मिल रही हैं।सरकार स्वयं संविदा में कर्मचारियों की नियुक्तियां करती है। इनमें कुछ नियुक्तियाँ तदर्थ करती है। क्या इन्हें समान कार्य के लिये समान वेतन,अवकाश, पेंशन आदि की सुविधा मिलती है?

गत वर्ष कोरोना महामारी के भारी प्रकोप के कारण देश व्यापी लॉकडाउन हुआ। हजारों उद्योग एवं फेक्ट्री बंद हो जाने से लाखों मजदूर भुखमरी के शिकार हो गये। उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार के मूल निवासी मजदूरों का पलायन हुआ। अपने अपने प्रदेश सुरक्षित पहुचने की आशा से उन मजदूरों ने रेल एवं बस की सुविधा नहीं मिलने पर पैदल यात्रा सैकड़ों एवं हजारों किमी की सड़क मार्ग से की। भूखे प्यासे मजदूरों की सहायता स्वयं सेवी संस्थाओं ने उदारता से की। इन असहाय दुखी मजदूरों की सहायता करने सरकार ने मानवीयता का परिचय नहीं दिया। मानवाधिकारों के हनन का इससे बड़ा उदाहरण मिलना असंभव प्रतीत होता है। भारत में सबसे ज्यादा शोषण बाल मजदूरी के नाम पर नौनिहालों का हो रहा है।बाल मजदूरी के नाम पर एक घटना का उल्लेख कर रहा हूँ, इस घटना से मैं स्वयं बहुत दुखी हुआ हूँ। बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष करने वाले भारत माता के महान सपूत श्री कैलाश सत्यार्थी जी को सन 2015 में नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनको यह सम्मान मिला तो दुनिया में हम भारतवासियों का सिर गर्व से ऊंचा हुआ। नोबल शांति सम्मान मिलने पर श्री सत्यार्थी जी 6 जनवरी 2016 को गुना पधारे। गुना में उनकी भव्य शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में घोड़ा चल रहा था, उस घोड़े की रस्सी हाथ में लेकर 10 वर्ष का बाल मजदूर चल रहा था। श्री सत्यार्थी जी को भी पता नहीं था, जिस बाल मजदूरी, बाल शोषण के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष करते रहे हैं, गुना बालों ने उन्हें दिखा दिया कि आप संघर्ष करते रहें बाल मजदूरी दुनिया से समाप्त नहीं हो सकती। सारी दुनिया मानवाधिकारों की रक्षा के लिये कानून बना रही है।इन कानूनों का पालन नहीं हो रहा है। मानवाधिकारों की रक्षा के लिये सरकारों के साथ साथ आम आदमी की दूषित मानसिकता में परिवर्तन आवश्यक है।

विजय कुमार जैन

कैबिनेट मंत्री हरदीपसिंह के गृह नगर को जाने वाला मार्ग तब्दील हुआ गड्ढों में

12 वर्षों से वसूला जा रहा टोल फिर भी सड़क का मैंटेनन्स नहीं

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल आगवान

सड़क मानवीय जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सरकार जरुरत होने पर राहगीरों को रहे सुगम बनाने के लिए सड़कें बनती है, जिस पर हमारे वाहन फर्राटे भरते नजर आते है। वही विभाग की लापरवाही व मेंटेनन्स के चलते इन्ही सड़को को देखने पर ऐसा लगे की सड़क तो गड्ढो के बिच में बनी है न की सड़को में गड्ढे बने है। ऐसा ही नजारा आपको शामगढ़ से सुवासरा तक की सड़क में देखने को मिल जाएगा।

शामगढ़ से सुवासरा तक की सड़क का 13 किमी का हिस्सा पूरी तरह खराब हो गया है, इस छोटे से हिस्से का सफर करने में लगभग एक घंटा लग रहा है। सड़क जर्जर हो गई है और कई जगह गड्ढों में तब्दील हो गई है। कैबिनेट मंत्री हरदीपसिंह डंग के गृह नगर को जोड़ने वाली सड़क से वह खुद भी कई बार गुजरते हैं। डेढ़ साल से सड़क की जर्जर हालत परेशानी का कारण बनी हुई है।

लोक निर्माण विभाग ने आलोट से भानपुरा तक सड़क बनाई थी। उसके बाद म.प्र. सड़क विकास निगम ने इस पर दो बार नवीनीकरण कर डामर की परत चढ़ाई, तब उसे उत्कृष्ट निर्माण बताया जा रहा था। लेकिन बहुत जल्दी ही इसकी उपरी परत उखड़ गई है। आलोट, चौमहला, सुवासरा, शामगढ़ होते हुए भानपुरा जा रही इस सड़क के हाल मेलखेड़ा-गरोठ के बीच भी काफी खराब है और भानपुरा से लेदी चौराहे का रोड तो कई जगह से अपना अस्तित्व ही खो चुका है। मगर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सड़क के नवनिर्माण के लिए कोई रुचि नहीं ले रहें है।

म.प्र. सड़क विकास निगम के अधिकारियों का कहना है कि, लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क को हेंडओवर करते ही हम निर्माण के लिए राशि स्वीकृति का प्रस्ताव भेजेंगे। जगह-जगह गड्ढों के कारण बाइक, चार पहिया वाहन आए दिन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं साथ ही बस व ट्रक चालक खासे परेशान हैं क्योंकि सड़क की ऊपरी परत पूरी तरह से उखड़ गई है। इससे यह पता चलता है कि, सड़क ठेकेदार ने डामर की पतली परत चढ़ाकर अपने कार्य की इतिश्री कर मोटा माल जेब में भरा है और अधिकारियों व इंजीनियर ने रोड की सही रिपोर्ट दे दी। जबकि वास्तविकता यह है कि, नई सड़क उखड़ चुकी है।

मंदसौर-सीतामऊ का 28 किमी का रास्ता भी दुर्घटनाओं का मार्ग बन गया है। इस पर पांच से अधिक अंधे मोड़ हैं और 10 ब्लैक स्पाट बन गए हैं। जहां लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस मार्ग पर बाजखेड़ी व चांगली पेरे पर सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं हो रही हैं। यही वजह है कि, एक साल में सड़क मार्ग पर हुए कुल 559 हादसों में 155 ने अपनी जान गंवा दी है। मंदसौर-सीतामऊ वाले 28 किमी के हिस्से में भी कई जगह सड़क का अलाइनमेंट ठीक नहीं है जबकि इस मार्ग का भी लगभग 12 वर्षों से पूरा टोल वसूला जा रहा है। मार्ग पर अंधे मोड़ भी ठीक नहीं किए गए हैं तो इस मार्ग से जुड़े गांवों के लिए जा रहे रास्तों पर भी कोई सकेंतक या स्पीड ब्रेकर नहीं होने से भी दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। गांव के रास्तों से निकलकर दुपहिया वाहन चालक तेज गति से मुख्ये मार्गों पर आ रहे हैं और उसके अलावा कई वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त भी हो रहे हैं। लेकिन रोड ठेकेदार सूर्यवंशी इंफ्रास्ट्रक्चर भोपाल लगातार टोल तो वसूल रहा है पर सड़क पर सुरक्षा उपाय नहीं हो रहे हैं।

वार्डवासियों ने जलाया नपा अध्यक्ष व सीएमओ का पुतला

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर सिटी स्थित शीतला नगर कॉलोनी के वार्ड नंबर 9 के रहवासियों ने वार्ड की समस्याओं को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष, सीएमओ एवं वार्ड पार्षद का पुतला दहन किया ओर नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि, रोड नहीं तो वोट नहीं, जब तक हमारा रोड नहीं बन जाएगा तब तक हम वोट नहीं करेंगे, पहले रोड फिर वोट याद रहे।

वार्ड नंबर 9 में आस्था स्कूल के पास से गुजरने वाला मुख्य मार्ग अपनी दशा पर आंसू बहा रहा है, गर्मी के मौसम में भी वहां आधा किलोमीटर के मुख्य मार्ग पर तलैया जैसी स्थिति बनी हुई है, जो कि बद से बदतर स्थिति में पहुंच चुकी है जहां से आम आदमी का आना जाना तो दुश्वार है। छोटे बच्चे भी नहीं निकल सकते हैं और हमेशा इस रोड से आते-जाते समय बच्चे गिरकर घायल हो जाते हैं। इस समस्या से कई बार वार्ड वासियों ने वार्ड पार्षद व नगर पालिका अध्यक्ष को अवगत कराया लेकिन चुनाव के बाद किसी ने भी वहां दोबारा आकर झांकना उचित नहीं समझा। इसलिए आज वार्ड वासियों ने मीडिया कर्मियों के सामने नारेबाजी करते हुए नगर पालिका अध्यक्ष, सीएमओ ओर वार्ड पार्षद का पुतला जलाया और सभी महिला-पुरुषों ने एक सुर में कहा कि, रोड नहीं तो वोट भी नहीं, पहले रोड उसके बाद वोट। उक्त मामले में जब गूंज प्रतिनिधि ने नगरपालिका के सीएमओ से बात करना चाही तो उन्होने फोन नहीं उठाया।

कोरोना के विरुद्ध जनजागरूकता के लिए कलेक्टर, एसपी मैदान में

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए सोमवार से कलेक्टर गोपालचंद्र डाड और पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी स्वयं मैदान में आए। वाहनों से सायरन बजे और जहां भी बगैर मास्क पहने व्यक्ति पाए गए वहां कलेक्टर श्री डाड एवं एसपी श्री तिवारी ने उनके चालान स्थल पर खड़े रहकर बनवाए, पेनल्टी वसूली गई तथा 2-2 मास्क प्रदान किए गए। इस दौरान कलेक्टर द्वारा जहां भी वाहनों पर सवार व्यक्तियों को बगैर मास्क के देखा गया अमले को निर्देशित कर उनको बुलाकर चालान काटे गए। कलेक्टर, एसपी, अपर कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीएम द्वारा सैलाना बस स्टैंड, रिलायंस पेट्रोल पंप इत्यादि स्थानों पर चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही समझाईश भी दी गई कि, मास्क अनिवार्य रूप से पहने।

रिलायंस पेट्रोल पंप संचालक पर 5 हजार रूपए का जुर्माना

कलेक्टर श्री डाड ने रिलायंस पेट्रोल पंप पर निरीक्षण के दौरान ग्राहकों तथा कर्मचारियों को बगैर मास्क के पाया, जिस पर कलेक्टर ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए पेट्रोल पंप संचालक पर 5 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया। साथ ही बगैर मास्क पहने कर्मचारियों, ग्राहकों को मास्क प्रदान किए।

जैन साधु-साध्वीयो का किया बहुमान

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

सोमवार को जैन श्वेताम्बर समाज में परम पूज्य आचार्य नवरत सागरजी महाराज के शिष्य आचार्य श्री प्रदरव सागर जी महाराज आदि ठाणा 3 व परम पूज्य साध्वी अर्चपुर्णा श्री जी महाराज आदि ठाणा 7 कि पावन निश्रा में मुमुक्षु बहन युतिका संदीप मेहता रामगंजमंडी का भानपुरा श्री संघ ने बहुमान किया। युतिका जो मात्र 16 साल कि है 16 अप्रेल को सांसारिक जीवन को त्याग कर जैन साध्वी बनने जा रही है यह दीक्षा रामगंज मंडी में सम्पन्न होगी। मुमुक्षु युतिका के भानपुरा आगमन पर वरघोड़ा भी निकला और बाद में जयानंद भवन में संत गणों की उपस्थिति में जैन श्वेताम्बर श्री संघ, जैन सोशल ग्रुप भानपुरा, सामाधिक मण्डल, महिला मण्डल की ओर से बहुमान किया गया, मुमुक्षु बहन युतिका ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि, मानव जीवन का सबसे सफल मार्ग है साधु जीवन इससे पुर्वभव, वर्तमान भव सब ठीक होते हे मुमुक्षु युतिका बहन के इस साहसिक निर्णय की सभी समाजजनों ने सराहना की। इस अवसर पर आचार्य प्रदरव सागर जी महाराज व साध्वी अर्चपुर्णा श्री जी महाराज ने भी अपने प्रवचन दिए और कहा कि, मनुष्य गति का कल्याण साधु जीवन हे जिन शासन की सेवा में रहने का यह एक मार्ग है जिस पर चलकर मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

श्री गेहलोत रतलाम जिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त

माही की गूंज, रतलाम। रतलाम जिले में कांग्रेस के गिरते ग्राफ को उठाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने सैलाना विधायक हर्षविजय गेहलोत को रतलाम जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सांसद केसी वेणुगोपाल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की अनुशंसा पर विधायक गेहलोत को रतलाम जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

उल्लेखनीय है कि, गेहलोत 1994 से सैलाना नगर पंचायत के वार्ड 8 से पार्षद का चुनाव जीत कर राजनीति में औपचारिक रूप से आए थे, तब से वे लगातार अपने पिता और मालवा का गांधी नाम से ख्यात प्रभुदयाल गेहलोत के पदिचन्हों पर चलकर सक्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, वे प्रदेश युवक कांग्रेस महासचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सदस्य, जिला पंचायत सदस्य भी रहे हैं। गेहलोत को राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह, प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ, पूर्व केन्द्रीय मंत्री कान्तिलाल भूरिया आदि के साथ काम करने का मौका मिला है। ज्ञात रहे कि, सैलाना विधानसभा को छोड़ कर पूरे रतलाम जिले मे कांग्रेस की हालत पतली है खास कर शहरी इलाकों में कांग्रेस अपनी जगह नही बना पा रही है वही सैलाना क्षेत्र में भी कांग्रेस धीरे-धीरे कमजोर हो रही है जिससे उभरने और कांग्रेस की वापसी के लिए विधायक हर्षविजय सिंह गेहलोत को रतलाम कांग्रेस का जिला अध्यक्ष बना कर वापसी की कोशिश की है।

आबकारी अधिकारी से गाली-गलौज करने पर दर्ज हुई एफआईआर

माही की गूंज, मंदसौर। अवैध शराब पकड़ने के लिए चेकिंग के दौरान आबकारी एसआई से गाली-गलौज के मामले में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। वायडीनगर पुलिस ने बताया कि आबकारी एसआई वैभव ठाकुर ने शिकायत की है कि, अवैध शराब तस्करी की रोकथाम को लेकर सोमवार शाम प्रतापगढ़ टोल नाके पर चेकिंग कर रहे थे, इस दौरान रतना निवासी देवीलाल पिता नंदालाल शर्मा व उगरान निवासी जितेंद्र पिता बलवंतसिंह ने गाली-गलौज कर कार्य में बाधा पहुंचाई। दोनों पर केस दर्ज किया गया है।

टैम्पो चालक को एएसपी ने मारा थप्पड़, विडियों हुआ वायरल

बिना मास्क कार्रवाई के दौरान कलेक्टर से बहस कर रहा था टैम्पो चालक

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम के एडिशनल एसपी इंद्रजीत बकरवाल का थप्पड़ मारते विडियो सामने आया है, इस विडियों में वे एक टैम्पो चालक को थप्पड़ मारते नज़र आ रहे है। साथ ही उसे जबर्दस्ती टैम्पो से उतारने की कोशिश भी कर रहे है। दरअसल पूरा वाकया मंगलवार को उस हुआ, जब कलेक्टर, एसपी लोगो को मास्क लगाने की समझाईश देने के लिए पूरे दल-बल के साथ सड़को पर उतरे थे, इसी दौरान धानमंडी क्षेत्र में एक टैम्पो चालक बिना मास्क के नजर आया, कलेक्टर ने उसे मास्क पहनने की समझाईश दी तो वह बहस करने लगा। यही देख एडिशनल एसपी इंद्रजीत बकरवाल वैश में आ गए और उन्होंने टैम्पो चालक को थप्पड़ जड़ दिया और उसे जबर्दस्ती टैम्पो से उतारने लगे, हालांकि बाद में टैम्पो चालक को समझाईश देकर मास्क पहनाकर छोड़ दिया। बता दें कि, कोरोना को लेकर रतलाम प्रशासन बहुत सख्त हो रहा है और खुद एसपी और कलेक्टर ने मैदान में उतर कर मोर्चा संभाला हुआ है।

अपराधी पुलिस के पीछे तो पुलिस अपराधियों के पीछे

सुपारी देकर हत्या कराने का षड़यंत्र रचने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

तु डाल-डाल तो में पात-पात, इन दिनों रतलाम जिले में अपराधियो और पुलिस के बीच यही खेल चल रहा है, जहा एक और जिले भर में अपराधियों का बोलबाला है, आए दिन अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है तो दूसरी ओर एसपी गौरव तिवारी के नेतृत्व में लगातार पुलिस अपराधीयो को जेल भेज रही है, इसी कड़ी में एक और बड़े अपराध का खुलासा कर सुपारी देकर हत्या कराने का षडयंत्र रचने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है, उक्त आरोपियों के कब्जे से दो पिस्टल और कारतूस भी जब्त किए गए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी से एक व्यक्ति की हत्या होने से बच गई। पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने पुलिस कंट्रोल रुम पर आयोजित प्रेस वार्ता में उक्त मामले की जानकारी दते हुए बताया कि, फरियादी मुकुल पंवार का किसी बात को लेकर पिन्टू टांक नामक व्यक्ति से करीब दो वर्ष पूर्व विवाद हो गया था, फरियादी मुकुल और पिन्टू टांक के बीच हुए विवाद की जानकारी बलवन्त गोयल नामक व्यक्ति को थी, बलवन्त गोयल का भी पिन्टू टांक से पुराना विवाद था, जून-जुलाई 2020 के दौरान बलवन्त उर्फ बल्ली गोयल ने फरियादी मुकुल टांक को आशापुरा होटल पर बुलाया। होटल पर बलवन्त के साथ तीन अन्य व्यक्ति दीपक उर्फदीपू टांक, विनोद उर्फवीनू शर्मा और अविनाश उर्फचिन्टू टांक भी मौजूद थे, इनमें से दीपक उर्फदीपू टांक ब्याज पर रुपए उधार देने का काम करता है और फरियादी मुकुल पांवार को भी उसने करीब डेढ साल पहले पचास हजार रुपए उधार दिए थे।

आरोपियों ने फरियादी मुकुल पंवार से उधार दिए पचास हजार रुपए तथा ब्याज की मांग की और जब मुकुल ने उधारी तत्काल चुकाने में असमर्थता व्यक्त की तो उन्होने मुकुल के सामने पिन्टू टांक की हत्या करने का प्रस्ताव रखा। आरोपियों ने कहा कि, वे मुकुल पंवार को हत्या के लिए हथियार भी मुहैया करवा देंगे और उधार लिए गए पचास हजार रुपए, की वसूली भी माफकर देंगे, इसके एवज में उसे पिन्टू टांक की हत्या करना होगी। आरोपियों ने मुकुल पंवार से यह भी कहा कि, यदि वह पिन्टू टांक की हत्या कर देता है तो उसे दो लाख रुपए अलग से देंगे और यदि जेल जाने की नौबत आई तो वे सारा खर्चा भी उठाएंगे। उस समय तो मुकुल पंवार ने उनके प्रस्ताव को जैसे तैसे टाल दिया लेकिन आरोपियों ने पिस से 22 मार्च 2021 को मुकुल पंवार पर दबाव बनाया और हत्या ना करने पर उधारी में दिए पचास हजार रुपए के बदले चार गुना रकम वसूलने की धमकी दी। आरोपियों द्वारा बार-बार हत्या करने के लिए दबाव बनाने और धमकियां देने से परेशान होकर फरियादी मुकुल पंवार औद्योगिक क्षेत्र पुलिस थाने पर पंहुचा और उसने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। उक्त जानकारी तत्काल पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी को दी गई। एसपी श्री तिवारी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की गई, आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट और ऋणियों का संरक्षण अधिनियम समेत अनेक धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने फरियादी मुकुल पंवार से आरोपियों के आडियो विडीयो साक्ष्य भी संकलित किए गए।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रकरण के चारों आरोपियों दीपू उर्फ दीपक पिता प्रकाश टांक (32) नि.दीनदयाल नगर उसके भाई अविनाश उर्फचिन्टू टांक (33), बबलू उर्फ बल्ली उर्फ बलवन्त पिता देवीसिंह राजपूत (34) नि. राजेन्द्र नगर और वीनू उर्फविनोद पिता प्यारेलाल शर्मा (28) नि.दीनदयाल नगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दीपू उर्फदीपक टांक और विनोद उर्फवीनू शर्मा के कब्जे से एक-एक पिस्टल और दो-दो जिन्दा कारतूस भी जब्त किए है।

पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने बताया कि, गिरफ्तार किए गए चारो आरोपी आदतन अपराधी है और इनके विरुद्ध कई आपराधिक प्रकरण पूर्व से दर्ज है। आरोपी दीपू टांक के खिलाफ विभिन्न थानों पर 32 आपराधिक प्रकरण दर्ज है, जिसमें हत्या के प्रयास जैसे गंभीर प्रकरण भी है। इसके अलावा अविनाश उर्फचिन्टू टांक के खिलाफ7 आपराधिक प्रकरण,बलवन्त राजपूत के खिलाफ7 आपराधिक प्रकरण और विनोद शर्मा के खिलाफ3 अपराध दर्ज है।

शासन के आदेशानुसार सायरन बजागर कोरोना से बचेना का दिया संदेश

माही की गूंज, भानपुरा।

शासन आदेशानुसार कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने हेतु मंगलवार को सुबह 11 बजे विजय स्तंभ भानपुरा के पास राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, नगर परिषद भानपुरा के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकारो, जनप्रतिनिधियों द्वारा सायरन बजाकर कोरोना से बचने का संदेश दिया। साथ ही बिना मास्क वाले लोगों को मास्क वितरित किए गए। थाना प्रभारी कमलेश सिंगार, नायब तहसीलदार रामकृष्ण अहिरवार, मुख्य नगरपालिका अधिकारी गोविंद पोरवाल आदि चार पहिया वाहनों से नगर के विभिन्न मार्गों, गली, मोहल्ला एवं बाजारों में सायरन बजाते हुए मास्क पहनने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का अलाउंस कराते हुए नगर में निकले।

न्यूज ब्रीफ

कालेज छात्रा को परेशान करने वाले 3 लड़को को भेजा जेल

माही की गूंज, बड़वानी। थाना बड़वानी पर एक कालेज छात्रा ने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि, तीन लड़के आए दिन कालेज व बाजार जाते समय उसका पिछा कर परेशान करते है, शिकायत में छात्रा द्वारा उन लड़को की मोटर सायकल के नम्बर भी दिए। पुलिस द्वारा मोटर सायकल के नम्बर के आधार पर डिटेल निकालकर उन तीनो लड़को की जानकारी निकाली गई। जो अमित पिता महेश मानकर (19) निवासी ग्राम पिपलाज, राजा पाता गजु मानकर (21) निवासी ग्राम बगुद, अरविंद पिता गिरदान बारेला (20) निवासी ग्राम बगुद बसाहट के होना पाए गए। जिन्हे पुलिस पकड़कर थाने लाई ओर उन पर प्रथम दृष्टया अपराध धारा 151, 107, 116 (3) जाफै का अपराध दर्ज कर एसडीएम न्यायालय बड़वानी में पैश किया गया, जहां से एसडीएम ने तीनो लड़को का

जेल वारंट बनाकर केन्द्रीय जेल बड़वानी भेजा गया

थाना प्रभारी टीआई राजेश यादव ने बताया कि, स्कुल व कालेज छात्राओं को परेशान करने वाले बदमाशो के खिलाफबड़वानी पुलिस की कार्यवाही जारी रहेगी।

डॉ. सरल ने विधिवत पद्भभार किया ग्रहण

माही की गूंज, खरगोन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसके सरल ने बुधवार को विधिवत पद्भभार ग्रहण किया गया। डॉ. सरल द्वारा कार्यभ्भार लेते ही कोविड-19 की वर्तमान परिस्थितियो की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान समस्त अधिकरियों एवं कर्मचारियों को इस विकट परिस्थिति में मिलकर कार्य करने को कहा, ताकि जिले को कोरोना मुक्त किया जा सके। साथ ही समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं योजनाओं की शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति कर जिले में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर ढंग से दी जाए, इसका भरपूर प्रयास करने को कहा।

मृतक के वारिस को दी आर्थिक सहायता

माही की गूंज, खरगोन। जिला क्षेत्रांतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल एवं मृतकों के वारिसों को सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसी के अंतर्गत ग्राम दामखेड़ा कला तहसील पुनासा जिला खंडवा निवासी संतोष पिता रूड़सिंह की 21 मार्च 2019 को ग्राम बड़द, सनावद में दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। संतोष की मृत्यु पर अपर कलेक्टर एमएल कनेल ने उनकी वारिस पत्नी श्रीमती संजुबाई को 15 हजार रूपए की राशि प्रदान की है।

सांसद के शोकित परिवार को ढांढस बंधाने पहुंचे मुख्यमंत्री

माही की गूंज, खरगोन। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान बुधवार को क्षेत्रीय सांसद गजेंद्र पटेल के निवास पर उनकी माताजी के निधन पर शोक जताने पहुंचे। यहां उन्होंने सांसद की स्व. माताजी सुशीलाबाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने सांसद सहित उनके परिवार को कहा कि, इस दुःख की घड़ी में समूचा संगठन उनके साथ खड़ा है। अपने अल्प प्रवास के दौरान सीएम ने कोरोना के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आमजन को मास्क लगाने और शारीरिक दूरियों का सख्ती से पालन करने की अपील भी की। मुख्यमंत्री चौहान के साथ सांसद वीडी शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन हरीनारायण चारी, संभागायुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा आदि ने भी स्व. सुशीलादेवी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सरकारी कुप से पाइपलाइन डालने की बजाए निजी कुप से डाल दी पाइपलाइन

समय पर नही मिलता पानी, आए दिन होते विवाद, सार्वजनिक कूप अधूरा छोड़ा

माही की गूंज, पेटलावद।

भ्रष्टचार के नाम पर नई इबारत गड़ चुके ग्राम पंचायत बाछिखेड़ा में आए दिन भ्रष्टाचार और लापरवाही के नए-नए मामले सामने आ रहे। पंचायत में पानी रोकने के नाम पर कई चैक डेम ठोक दिए जिसमे भ्रष्टाचार सामने आया है, लेकिन पंचायत के ग्रामीणों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था के लिए कोई प्रयास नही किए जा रहे है, ग्राम बाछिखेड़ा के ग्रामीणों को पानी के लिए अभी से परेशान होना पड़ रहा है।

ग्राम पंचायत बाछिखेडा के ग्राम ग्वालरुडी व कतिजापाड़ा में तीन हजार फीट पानी की पाइपलाइन बिछाकर पानी देने वाली लाखों की योजना स्वीकृत हुई लेकिन पंचायत ने निजी कुप से पाइपलाइन बिछाकर ग्वालरुंडी और कतिजापाड़ा में नल के लगभग 9 से 10 जगह नल के पाइप निकालकर नल कनेक्शन दिए।

सार्वजनिक कूप जो बनने के बाद से अनुपयोगी पड़ा है।

बात करे ग्राम पंचायत बाछिखेडा के ग्राम ग्वालरुडी की जहां पर शासन ने दो सार्वजनिक कूप दिए थे जिसमे एक कूप की लागत लगभग 4 लाख से भी अधिक थी, पंचायत ने सरकारी कूप बनाकर खुला छोड़ दिया जबकि दूसरा अभी भी अधूरा पड़ा है। ग्राम के अमृतलाल भाभर ने सरपंच-सचिव पर पंचायत के सभी कार्यों में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए बताया कि, ग्राम ग्वालरुडी मे नल जल जो की शासन द्वारा लाखो रुपए की लागत का स्वीकृत हुआ जो पंचायत द्वारा पाईपलाईन बिछाई वह व्यक्ति गत कुएं मे बिछा दी गई ,जहा से समय से पानी नही दिया जाता और खुद की सिंचाई के लिए पाइपलाइन से आमजन को परेशान होना पड़ता है और लोगों को पानी के लिए भी निजी कुप के मालिक से अपशब्दो का सामना करना पडता हैं। अमृतलाल भाभर ने बताया कि, जिसके कुप से पानी आता है वह व्यक्ति कुप से पानी भरने वाले लोगो के साथ अपशब्दो, गाली-गलौज और रुपए वसूलने की बात करते है। उक्त पाइपलाइन स्कूल तक बिछाई जानी थी, लेकिन पंचायत ने मनमाने ढंग से काम किया। सचिव से जब पाइपलाइन की लागत और निजी कूप से लाइन बिछाने की जानकारी चाही गई तो, सचिव का कहना है वो अभी नया है और उनको इस योजना और लागत की जानकारी नही है।

1 अप्रैल से शुरू होगा सनावद-खंडवा के बीच रेलों का परिचालन

माही की गूंज, सनावद।

नगर की रेल्वे स्टेशन पर ब्रॉडगेज होने के बाद ही इसका कायाकल्प लगातार जारी है। वहीं इसमें शीघ्र ही सीआरएस के निरीक्षण के बाद इस ट्रैक को शुरू किया जाएगा। इसमें संभावना व्यक्त की जा रही है कि, सनावद-खंडवा वाया भोपाल होते हुए इस पर डेमू ट्रेन चलाई जाएगी। जिससे नागरिकों का ब्रॉडगेज के सपने का सपना पूरा हो सकेगा। इस संबंध में रेल्वे स्टेशन पर लगभग सभी तैयारियां अंतिम दौर में चल रही है।

उप मुख्य इंजीनियर इंदौर द्वारा बताया गया कि, स्टेशन पर रंगाई-पुताई, एफओ, प्लेटफार्म, रेल बिछने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वहीं संभावना है कि, 26 मार्च को सीआरएस का निरीक्षण इस मार्ग पर होगा। इसके बाद अप्रैल के पहले सप्ताह में यहां से ट्रेनों का परिचालन शुरू हो सकेगा। रेल्वे से जुड़े विश्वसनीय सूत्रों ने बताया कि विगत 6 माह से लॉकडाउन के बाद से रेलवे द्वारा युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग एवं अन्य कार्यों को पूरा करने के लिए कर्मचारी लगातार कार्य कर रहे हैं। वहीं रेल्वे स्टेशन का कायाकल्प भी पूर्ण रूप से हो गया है। अंतिम दौर में सिर्फपोल में बिजली सप्लाय कर रेल का परिचालन शुरू हो सकेगा।

पत्र लिखें और पाएं नगद पुरस्कार

माही की गूंज, खरगोन। भारतीय डाक विभाग देश के सभी राज्यों के युवाओं के लिए युनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) 2021 अंतर्राष्ट्रीय पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कर रहा है। प्रतियोगिता के लिए युवाओं को पत्र में कोविड-19 के स्वयं के अनुभवों को अपने परिवार के किसी सदस्य को संबोधित करते हुए लिखना है। पत्र को अंग्रेजी या संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भाषा में लिख सकते है। पत्र की शब्द सीमा 800 से अधिक नहीं होनी चाहिए और यह स्वलिखित ही होना चाहिए। आवेदन करने वाले युवा की आयु 31 मार्च तक 15 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। सर्किल लेवल पर पुरस्कार के रूप में प्रथम विजेता को नगद 25 हजार रूपए और प्रमाण पत्र, द्वितीय को 10 हजार रूपए और प्रमाण पत्र तथा तृतीय विजेता को 5 हजार रूपए और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। जबकि नेशनल लेवल पर पुरस्कार के रूप में प्रथम विजेता को नगद 50 हजार रूपए और प्रमाण पत्र, द्वितीय को 25 हजार रूपए और प्रमाण पत्र तथा तृतीय विजेता को 10 हजार रूपए और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए सर्किल ऑफिस में 5 अप्रैल तक प्राप्त पत्र स्वीकार किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्तर की श्रेष्ठ एंट्री को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता को क्रमशः गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रांज मेडल से सम्मानित किया जाएगा।

विश्व जल दिवस पर 1 वर्षीय मोरिंगा मिल कार्यक्रम

इनरेम फाउंडेशन तथा सहयोगी संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से किया गया लांच

मोरिंगा मित कार्यक्रम के पोस्टर्स का विमोचन करते अतिथि, संस्थाओं और एनजीओ से जुड़े पदाधिकारीगण।

पत्रकारवार्ता में जानकारी देते हुए जिला समन्वयक सचिन वाणी।

माही की गूंज, झाबुआ।

विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में इनरेम फाउंडेशन आणंद गुजरात द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र झाबुआ के अटल सभागृह में मोरिंगा (सहजन) मिल एक वर्षीय कार्यक्रम लांच किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. आईएस तोमर, रोटरी मंडल के स्वास्थ चेयरमेन भरत मिस्त्री, संकल्प रूप की संयोजक भारती सोनी, बैंक ऑफबड़ोदा स्वरोजगार संस्था से अजय अवस्थी, राष्ट्रीय फ्लोरोसिस निवारण कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. एलएन गर्ग, पीएचई विभाग से कौशल्या रावत उपस्थित थे। सरस्वती माता तथा राजमाता विजयराजे सिंधिया को माल्यार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला कॉर्डिनेटर सचिन वाणी द्वारा पॉवर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मोरिंगा मिल कैपेन के बारे मे विस्तार से बताया।

झाबुआ तथा अलीराजपुर जिला फ्लोरोसिस, सिकल सेल, एनीमिया, कुपोषण इन 3 बीमारियों में प्रदेश के टॉप 10 जिलों में आते हैं। वर्ष 2022 में आजादी के 75 साल पूरे होने वाले हैं, फिर भी ये बीमारियां इन दो जिलों से जड़ से समाप्त नहीं हुई हैं। इन तीनों का संबंध न्यूट्रिशन कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन सी, प्रोटीन, आयरन, विटामिन डी आदि पोषक तत्वों की कमी से होता है।

मोरिंगा स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण

रोटरी क्लब अपना मेघनगर के भरत मिस्त्री ने बताया कि झाबुआ तथा अलीराजपुर जिले मे 7 मंडल है। इन मंडलों में मोरिंगा कैपेन संबंधित, जो भी सहयोग होगा। उसमें पूरी मदद की जाएगी। कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. आईएस तोमर ने बताया कि मोरिंगा एक जल्दी बढ़ने वाला पौधा है, ये हमारे स्वास्थ्य को तो ठीक करता ही, साथ ही आजीविका के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। जिले में मोरिंगा के साथ सोयाबीन में भी प्रोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। 1 किलो सोयाबीन से 7 लीटर दूध बनाया जा सकता है। पनीर, सोयाबड़ी, आटे आदि में प्रयोग करें तो 50 प्रतिशत बीमारियां ठीक हो जाती है।

प्रतिदिन की डाईट में किया जाए उपयोग

डॉक्टर एलएन गर्ग राष्ट्रिय फ्लोरोसिस निवारण कार्यक्रम के प्रभारी ने बताया कि हर व्यक्ति को इसे अपनी डेली डाईट में उपयोग करना चाहिए। मोरिंगा तो हमारे कल्चर में पहले से ही था। जिला चिकित्सालय में जल्द ही वाटर, यूरिन में फ्लोराइड के लिऐ लेब स्थापित होने वाली है। संकल्प रूप संयोजक भारती सोनी ने भी इस कारगर स्वास्थ्य प्रोजेक्ट में अपनी संस्थाओं की ओर से पूर्ण सहयोग देने की बात कहीं।

पोस्टर्स का किया गया विमोचन

इस दौरान सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों द्वारा मोरिंगा मील कैपेन का पोस्टर लांच किया गया। सचिन वाणी ने बताया कि यह कैपेन 22 मार्च से आरंभ होकर जनवरी 2022 तक चलेगा। जिसमें झाबुआ और अलीराजपुर जिले के 800 स्कूल, आगनवाड़ी, होस्टल में मोरिंगा का प्लांटेशन करने के साथ, मद्यान्ह भोजन बनाने वाले समूह को ब्लॉक अनुसार ट्रेनिंग, क्विज कॉम्पिटिशन, चित्रकला प्रतियोगिता आदि गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में एक्सपर्ट के रूप में डॉ. सुनिता सपुर, डॉ. मेघना शुक्ला, कल्पना बिलवाल जिला फील्ड कार्यक्रम अधिकारी, सरिता खराड़ी द्वारा इस संबंध में अपने-अपने अनुभव साझा किए गए। कैपेन में विभिन्न सरकारी विभागों में महिला तथा बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पीएचई विभग, शिक्षा विभाग, फारेस्ट, कृषि, उद्यानिकी विभाग, सामाजिक संस्थाएं तथा एनजीओ, रोटरी क्लब मेघनगर, आशा, आईजीएसएस, संकल्प रूप, समावेश, मां शक्ति, ब्रेड फॉर ट्रायबल विलेज आदि का विशेष सहयोग प्राप्त होगा। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने मे डॉ. चंद्रशेखर, अंकिता पाटक, काशीराम बघेल, अर्चना डावर, खुशबू, प्रकाश डामोर, अजय, डॉ. भारत निंगवाल, केवलसिंह डामोर, अजय चौहान जितेंद्र पाल, सरिता खराड़ी, सोहनसिंह भूरिया, अर्जुन खराडी आदि ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम बाद पत्रकारवार्ता के माध्यम से भी इनरेम फाउंडेशन के जिला कोर्डिनेटर सचिन वाणी ने मेरिंगा मिल प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कन्या महाविद्यालय में हुआ अमृत महोत्सव का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी। शासकीय कन्या महाविद्यालय बड़वानी में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई एवं स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आजादी के 75 वी वर्षगाँठ के अवसर पर अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया।

इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं को शहीदों के जीवन परिचय से अवगत कराते हुए उनके बलिदान के बारे में जानकारी देते हुए अमर शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस दौरान महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता -दाण्डी मार्च एवं महत्मा गाँधी- विषय पर आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान पर कु. कविता लक्ष्मण मण्डलोई, द्वितीय स्थान पर कु. संगीता अवास्या, एवं तृतीय स्थान पर कु. झमबाई कनेस को पुरस्कृत किया। साथ ही छात्राओं के साथ पदयात्रा रैली का आयोजन कर गाँधीजी के महत्व को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौतम, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वंदना भारती, डॉ. सायना खान, डॉ. जगदीश मुजाल्दे एवं समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ उपस्थित था।

आपके द्वार पहुंचा हरिद्वार, हर-हर गंगे, घर-घर गंगे, 35 गांव के 200 कार्यकर्ताओं ने की गोष्ठी में भागीदारी

माही की गूंज, पेटलावद।

गायत्री शक्ति पीठ पर अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आपके द्वार पहुंचा हरिद्वार कार्यक्रम की तहसील स्तरीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील के 35 गांव के 200 कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की।

मुख्य अतिथि अलीराजपुर के जिला समन्वयक संतोष वर्मा, अध्यक्षता जिला समन्वयक झाबुआ घनश्याम बैरागी, विशेष अतिथि झाबुआ जिला युवा प्रकोष्ठ के अंतरसिंह रावत, थांदला महिला मंडल की जिला प्रमुख श्रीमती मालिनी बैरागी व वरिष्ठ गायत्री परिजन मोतीलाल गामड़ ने गोष्ठी को संबोधित किया। श्री वर्मा द्वारा कुंभ का महत्व समझाया गया, कोरोनो के कारण हरिद्वार कुंभ नहीं जा पाने के कारण श्वान दान के पुण्य से वंचित न रहे, इस शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा घर-घर गंगे, हर हर गंगे अभियान के तहत पेटलावद तहसील के 450 घरों में गंगाजलि कलश स्थापना, चित्र स्थापित किए जाएंगे, जिसमें श्रद्धालु दो बूंद गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर कुंभ स्नान का लाभ प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य घर-घर यज्ञ, घर-घर संस्कार, घर-घर गंगा को स्थापित, भारतीय संस्कृति को प्रचार प्रसार व उसे अक्षुण्य बनाने रखना है। श्री वैरागी ने बताया कि, मां गायत्री में सब देव शक्तियां समाहित है, गायत्री मंत्र की उपासना सभी देवों की उपासना के समान है। कार्यक्रम में सारंगी, बेकलदा, पांचपीपला, झकनावदा, कोदली, मठमठ, घुघरी, जामली, पेटलावद, रायपुरिया, बनी के परिजनों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में पंकज पाटीदार, लीलाशंकर पाटीदार, जगदीश भटेवरा, रामचंद्र आचार्य, रामेश्वर पाटीदार, संजय चतुर्वेदी, जितेंद्र भट्ट, प्रभु भाई लच्छेटा, डॉ अमृत पाटीदार, बजराज सिंह राजपुरोहित, निलेश पुरोहित, दशरथ सिंह राठौर, गोविंद पाटीदार, महिला मंडल की अनीता चौहान, मंजू पालीवाल, लता असोलिया, सविता पटेल, मनीषा दुबे, धापू राठौर, युवा प्रकोष्ठ के अभय मुनिया, ओम पालीवाल, अजय पटेल, नीरज पटेल, नीलेश राठौर का सराहनीय सहयोग रहा, आभार प्रमुख दृष्टि कृष्णसिंह राठौर ने माना। संचालन हेमंत शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में सभी ग्राम प्रभारियों को गंगा जल कलश स्थापना चित्र साहित्य व संकल्प पत्र भी वितरित किए गए।

दो सौ विद्यार्थियों ने पांच पीढ़ियों का लिखा इतिहास

इतिहास के प्रति युवाओं की रुचि देखकर अभिभूत हु- डॉ. यादव

माही की गूंज, बड़वानी।

देश और दुनिया के इतिहास के साथ ही हमें हमारे परिवार का इतिहास भी ज्ञात होना चाहिए। कॉलेज के दो सौ से अधिक विद्यार्थियों ने अपने परिवार की पांच पीढ़ियों का इतिहास लिखा है, जो बहुत प्रशंसनीय है। इतिहास के अध्ययन, अनुसंधान और लेखन के प्रति युवाओं की रुचि देखकर मैं अभिभूत हूँ। ये बातें शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के इतिहास विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के सहयोग से हुए आयोजन में सतत् व्यापक मूल्यांकन के अंतर्गत बीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट का अवलोकन और उनकी प्रस्तुति सुनकर इतिहासकार एवं अवधेष प्रतापसिंह विश्वविद्यालय, रीवा के पूर्व कुलपति डॉ. शिवनारायण यादव ने कहीं। शासकीय कन्या महाविद्यालय, बड़वानी के प्राचार्य डॉ. पुरुषोत्तम गौतम ने कहा कि, सीसीई के वास्तविक उद्देष्य की पूर्ति की गई है। इसका लाभ उन्हें सदैव मिलता रहेगा। प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. प्रमोद पंडित ने युवाओं के समर्पण एवं लगन की सराहना करते हुए कहा कि, मेहनत की राह ही उच्चतम सफलताएं दिलाती हैं।

ये थी लघु परियोजना

कार्यकर्तागण प्रीति गुलवानिया और जितेंद्र चैहान ने बताया कि, सीसीई के अंतर्गत नवाचार करते हुए विद्यार्थियों को लघु परियोजना बनाने के लिए कहा गया था। इसमें उन्होंने अपने परिवार की पांच पीढ़ियों के इतिहास के साथ ही अपनी पन्द्रह दिन की डायरी, अपने जीवन का लक्ष्य, लक्ष्य प्राप्ति में इतिहास विषय की भूमिका, प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए इतिहास विषयक प्रश्नों के साथ ही भारत के इतिहास के एक व्यक्तित्व की जीवनी और उपलब्धियां भी लिखीं। पांच दिनों में इनकी प्रस्तुतियां आज पूर्ण हुई।

इस परियोजना को सम्पन्न करने में प्रीति गुलवानिया, राहुल मालवीया, किरण वर्मा, जितेंद्र चैहान, वर्षा मालवीया, अंकित काग, राहुल भंडोले, सूरज सुलिया, कुलदीप चैहान आदि कार्यकर्ताओं ने विद्यार्थियों को सहयोग दिया।

तूफान ने तूफान की गति से स्कूटी को मारी टक्कर- युवती की मौत

माही की गूंज आम्बुआ।

आम्बुआ से लगभग 4 किलोमीटर दूर ग्राम सेवड़ में जोबट की ओर से बोरझाड़ की तरफआ रही स्कूटी सवार एक युवती को तूफान जीप ने तूफान की गति से ऐसी टक्कर मारी की युवती की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जीप को घटनास्थल से जप्त कर लिया गया है।

ग्राम बड़ा इटारा निवासी भूरी पिता कुंवरसिंह चौहान सोमवार की शाम को जोबट से स्कूटी नं. एमपी 69 एमसी 9580 पर सवार होकर आ रही थी मार्ग में बोरझाड़-सेवड़ की सीमा के पास मोड़ से कुछ आगे बोरझाड़ की ओर से तूफान की गति से आ रही तूफान जीप जीजे24 यु 9435 ने टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि, स्कूटी बहुत दूर तक खींची चली गई जिस कारण युवती भूरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर थाना आम्बुआ से एएसआई माधोसिंह हाडा ने घटनास्थल पर जाकर मौका पंचनामा बनाकर प्रकरण कायम कर जांच प्रारंभ की तो पता चला कि, युवती अपने जीजा के यहां से आ रही थी तथा स्कूटी भी रिश्तेदार मनीषा पति अंतरसिंह निवासी चमार बेगड़ा की बताई जा रही है घटना के बाद ड्राइवर जीप छोड़कर फरार हो गया घटनास्थल से जीप जप्त कर ली गई है, आगे जांच जारी है।

आई दवाई, हो रही ढिलाई, बीमारी वापस आई, प्रशासन की शख्ती कागजों तथा घोषणाओं में दबी

बगैर पुलिस प्रशासन की मदद के कोरोना गाइडलाइन का पालन असंभव

माही की गूंज, आम्बुआ। मयंक विश्वकर्मा

पिछले 1 वर्ष से भी अधिक समय से संपूर्ण विश्व के साथ-साथ हमारा देश तथा प्रांत सहित जिला, कस्बा कोरोना महामारी से जूझ रहा है। कभी कभी लॉकडाउन की परेशानियां झेलते हुए आर्थिक, शारीरिक तथा मानसिक रूप से पीड़ा झेलते हुए वर्ष गुजर गया। शासन तथा हमारे वैज्ञानिकों के अथक प्रयास से अब कोरोना की दवाई आ गई मगर लोगों ने इस ओर से ढिलाई बरतना चालू की तो यह जानलेवा बीमारी विकराल रूप लेकर फिर आधमकी, इससे बचाव के उपाय मास्क तथा आपस में दूरी बनाए रखना दूर की कौड़ी साबित हो रही है, जिसका पालन कराने में प्रशासन का पसीना छूट रहा है, परिपालन हेतु पुलिस की मदद लेना ही एक विकल्प माना जा रहा है।

जैसा की सर्व विदित है कि, कोविड-19 यानी कोरोना महामारी हमारे क्षेत्र में भी 1 वर्ष पूर्व आई तथा उसके कारण कई की जानें गई, कई बीमार पड़े तो कई ठीक भी हुए इसके कारण कई परिवार बेरोजगार हो गए कई की नौकरियां गई तो कई छोटे व्यापारी तबाह हो गए जैसे-तैसे समय निकलता रहा शासन तथा हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत रंग लाई तथा कोरोना की वैक्सीन आ गई। दवा बनने की सूचना पर लोगों ने तथा प्रशासन ने ढिलाई बरतना चालू कर दिया और अब यह बीमारी पहले से भी अधिक ताकत और तत्परता के साथ हमला कर रही है लेकिन व्यापारी, ग्राहक, कर्मचारी, नागरिक कोई भी समझने को तैयार नहीं है कई बैंकों, सहकारी संस्थाओं, उचित मूल्य की दुकानों, स्वास्थ्य केंद्र, शिक्षण संस्थाओं, बसों, ट्रेनों आदि में ना तो सैनिटाइजर और ना ही मास्क और ना ही आपसी दूरी का पालन किया जा रहा है। बसों में बगैर मास्क यात्री को नहीं बैठाया जाएगा के पर्चे चस्पा कर दिए मगर देखा जा रहा है कि, ड्राइवर, क्लीनर, कंडक्टर के साथ ही यात्री बगैर सुरक्षा सामान के यात्रा कर रहे है। प्रशासन रोज बयान जारी कर समाचार पत्रों में सुर्खियां बनते हैं मगर पालन कोई करता नजर नहीं आता है, आदेश के प्रति पालन हेतु पुलिस महकमा एकमात्र उपाय है इन्होंने ही कर्फ्यू तथा लॉकडाउन में मजबूती के साथ गाइडलाईन का पालन कराया था, अन्य विभागों की बजाय इस विभाग की सेवाएं जरूरी माना जा रहा है, साथ ही कोरोना वैक्सीन भी अब सब के लिए अनिवार्य रूप से लागू कर देना भी जरूरी माना जा रहा है ताकि बीमारी को रोका जा सके।

मेरा मास्क मेरी सुरक्षा: सायरन बजाकर आमजन को किया जागरूक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मेरा मास्क मेरी सुरक्षा के तहत रोको-टोको अभियान आयोजित किया। मंगलवार को सुबह 11 बजे 2 मिनिट तक सायरन बजाकर बस स्टैंड सहित नगर के प्रमुख चौराहों पर बगैर मास्क लगाकर घूमने वालों को मास्क वितरण करते हुए अनिवार्य रूप से मास्क लगाने के लिए संकल्पित कराया गया। इस अवसर पर कलेक्टर सुरभि गुप्ता, अपर कलेक्टर सुरेशचन्द्र वर्मा, एसडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, एसडीओपी धीरज बब्बर, नगर पालिका अध्यक्ष रितेश डावर, किशोर शाह सहित अन्य गणमान्यजन एवं नागरिकगण, तहसीलदार केएल तिलवारे सहित अन्य उपस्थित थे। सभी ने बगैर मास्क लगाए घूमने वालों को कोरोना वायरस से बचाव संबंधित आवयक बाते बताते हुए अनिवार्य रूप से मास्क लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर दुकानों के बाहर सोशल डिस्टेन्सींग का पालन किए जाने हेतु निर्धारित दूरी पर गोले बनाए गए तथा दुकानदारों को निर्देश दिए गए कि वे गोले बनाकर सोशल डिस्टेन्सींग का पालन सुनिचित कराए। जिले के समस्त नगरीय एवं कस्बाई क्षेत्र में भी निर्धारित समय पर सायरन बजाकर आमजन को जागरूक किया गया।

भैसोदा मार्ग पर सडक किनारे आई झाडियो से दुर्घटना को दे रहे न्यौता, अब बनेगा नया व चौडा मार्ग

माही की गूंज, भानपुरा।

भानपुरा, लोटखेड़ी से भैंसोदा तक के सड़क मार्ग पर कई घुमावदार मोड़ है, इन मोड़ पर झाड़ियां सड़क किनारे तक आ जाने से मोड़ पर सामने से आने वाला वाहन दिखाई नहीं देता है, ऐसे में गंभीर दुर्घटना घटित होने की संभावनाएं निर्मित हो रही है, पूर्व में भी मार्ग के इन स्थानों पर दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है।

भानपुरा-लोटखेड़ी, भैंसोदा मार्ग पर दोपहिया व चार पहिया वाहनों का बड़ी संख्या में आना-जाना होता है, ऐसे में सड़क के मोड़ वाले स्थानों पर झाड़ियां सड़क किनारे तक आ जाने से वाहन चालकों को मोड़ पर सामने से आने वाला वाहन दिखाई नहीं देता है। ऐसे में जरा सी असावधानी में ही गंभीर दुर्घटना घटित होने की लगातार पूरी संभावना निर्मित हो रही है, पूर्व में ऐसे स्थानों पर दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। इस मार्ग पर आवागमन करने वाले वाहन चालकों ने पीडब्ल्यूडी विभाग से सड़क किनारे व सड़क के मोड़ वाले स्थानों से जो झाड़ियां सड़क किनारे तक आ गई है हटाए जाने की मांग की है।

इस संबंध में पीडब्ल्यूडी विभाग के इंजी. जगदीश कुमावत ने बताया कि, शीघ्र ही सड़क के किनारे तक जो झाड़ीया आई हुई है हटवा दी जाएगी। वर्तमान में यह सड़क मार्ग 3.75 मीटर चौड़ा है, अब यह मार्ग 5.50 मीटर चौड़ा सीसी रोड बनेगा, एवं रोड के दोनों किनारों पर पांच-पांच फिट के शोल्डर बनेंगे। इसी तरह भैसौदा मंडी से कालाकोट तक यह बॉडर वाला मार्ग भी 5.50 मीटर चौड़ा रोड बनेगा एवं दोनों किनारों पर पांच-पांच फीट के शोल्डर बनेंगे।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत किसानों के खातों में डाले 340 करोड़ रुपये

माही की गूंज, मंदसौर।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के 17 लाख किसानों के खाते में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत 340 करोड रूपए की राशि एक क्लीक पर अंतरित की गई। साथ ही लगभग 30 लाख किसानों को 1530 करोड रूपए की राहत राशि की द्वितीय किश्त का वितरण भी सिंग्ल क्लिक के माध्यम से किया गया। जिसमें मंदसौर जिले के लगभग 28 हजार 533 किसानों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ मिला।

मंदसौर जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रम कुशाभाउ ठाकरे ऑडिटोरियम में विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया, जिला पंचायत अध्यक्षा प्रियंका मुकेश गिरी गोस्वामी, विधायक देवीलाल धाकड, नानालाल अठोलिया, निहालचंद मालवीय, अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर मनोज पुष्प, जिला अधिकारी कर्मचारी, पत्रकारगण व किसान उपस्थित थे। इस मौके पर भोपाल के मिन्टो हॉल से राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण उपस्थितजनों ने देखा व सुना। विधायक सिसोदिया ने कहा कि, सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी एवं हितग्राही मुलक योजनों का लाभ हर व्यक्ति को मिले, कोई भी छुटना नहीं चाहिए। संबल योजना के पात्र लाभान्वितो को जोड़ने की कार्रवाई भी की जा रही है। गेहूं उपार्जन का कार्य मौसम एवं कोरोना के प्रभाव के कारण रोका गया है। शीघ्र ही गेहूं उपार्जन का कार्य प्रारंभ होगा एवं समस्त किसान भाईयो को लाभान्वित किया जाएंगा। मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना अन्तर्गत मंदसौर तहसील के 3 हजार 539 किसान, मंदसौर नगर के 744 किसान, दलौदा के 1 हजार 602 किसान, सीतामउ के 10 हजार 463 किसान, सुवासरा के 1 हजार 140 किसान, शामगढ के 1 हजार 824 किसान, गरोठ के 4 हजार 151 किसान, भानपुरा के 1 हजार 663 किसान, मल्हारगढ के 3 हजार 407 किसान को राशि का वितरण किया गया।

आरईएस एसडीओ दिनेश अग्रवाल का हुआ स्थान्तरण

मनरेगा कार्यो में धांधली के हो रहे थे खुलासे, स्वयं के खर्चे से करवाया स्थान्तरण

माही की गूंज, पेटलावद

ग्रामीण यात्रिकी सेवा उप संभाग पेटलावद के एसडीओ दिनेशचंद अग्रवाल का स्थान्तरण हो गया है, मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार एसडीओ अग्रवाल को स्वयं के व्यय से स्थान्तरित करते हुए मण्डल कार्यालय इंदौर में सहायक यंत्री के रिक्त पद पर अस्थाई रूप से आगमी आदेश तक पदस्थ किया गया। इससे पहले भी कांग्रेस सरकार के आते ही इनका ट्रांसफर हो चुका था लेकिन कांग्रेस के नेताओ ने एसडीओ को अपने पाले में बिठा कर स्थान्तरण रुकवा लिया।

आंख बंद कर होते स्टीमेट फाइनल, घर पर सजी रहती थी महफ़िल

एसडीओ अग्रवाल अपने कार्यालय पर कम खुद को घर (सरकारी आवास) पर बैठ कर काम करते है जहां ज्यादातर नेता, अधोषित ठेकेदार के बीच महफ़िल सजी हुई रहती थी, जहा पेटलावद और रामा विकास खण्ड में होने वाले कार्यो के स्टीमेट आंख बंद कर स्वीकृत किए जाते थे, जिसकी पुष्टि खुद एसडीएम अग्रवाल ने की है कि, वो उपयंत्री के हस्ताक्षर देख कर अपनी स्वीकृति देते थे। पिछले दिनों कई ऐसे मनरेगा योजना के कार्य जिनका अनुमोदन नही हुआ रोके गए थे इसमें से कई काम पहले से किए हुए थे जिनको फिर से राशि निकालने की योजना के नाम पर फिर से स्वीकृत कर दिए। मामला सुर्खियों में आने के बाद से जिम्मेदार अधिकारीयो को जवाब देते नही बन रहा है और जैसे तैसे यहां से निकल कर बचना चाह रहे है।

ठेकेदारो का अटका भुगतान, सेटिंग वाले नए एसडीओ को लाने की जुगाड़ शुरू

आईएस के माध्यम से होने वाले ज्यादातर कार्य अधोषित ठेकेदारो को दिया हुआ है और उन कार्यो की पूरी कार्रवाई भी इन ठेकेदारों द्वारा की स्वीकृत करवाए है, कई कार्यो का भुगतान बाकी है जो अटक गया है जिसमें सत्ताधारी और विपक्ष के नेता शामिल है जो अपने हिसाब से नया सेटिंगबाज़ एसडीओ लाने की जुगाड़ लगा रहे है तो कुछ अग्रवाल का आदेश निरस्त करवा कर उन्हें ही यथावत रखने के दावे कर रहे है।

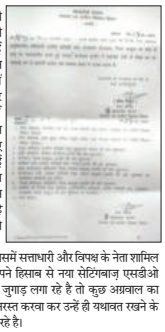

दादी हृदय मोहिनीजी जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। झाबुआ शहर से सटे ग्राम गोपालपुरा स्थित प्रजापिता ब्रम्हकुमारिज ईश्वरीय विश्विद्यालय पर दादी हृदय मोहनीजी के पिछले दिनों देवलोकगमन पर विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बीके जयंती दीदी सहित जिले के वरिष्ठ विद्वानजनों ने दादी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने शब्दों के माध्यम से तथा हृदय की भावनाओं से दादी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सर्वप्रथम दादी हृदय मोहनीजी की तस्वीर पर सभी ने पुष्प अर्पण किए। इस अवसर पर बीके जयंती दीदी, कृषि विभाग के उप-संचालक जीएस त्रिवेदी, पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री एनएस भिड़े, समाजसेवी यशवंत भंडारी ने दादी हृदय मोहिनी जी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हे श्रद्धांजली अर्पित की।

गांधी सागर मनोरंजन केंद्र पर शहीद दिवस मनाया

माही की गूंज, भानपुरा। क्रांतिकारी भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव आदि के बलिदान की बदौलत ही हम आज आजाद हैं, पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, गांधीसागर नंबर 8 शिशु मंदिर पर शहीद दिवस मनाया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हाई सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य अनीता श्रीवास्तव व अतिथि प्रकाश राठौड़, कृष्णा परिहार द्वारा दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण किए गए। छोटे बच्चों के देशभक्ति से ओतप्रोत गीत नई पीढ़ी को जागृति के लिए शहीदों की याद में यादों की प्रस्तुति की गई।

नगर को बनाएगे क्राईम मुक्त - श्री सिंगार

माही की गूंज, भानपुरा। भानपुरा नगर को क्राइम मुक्त बनाएंगे, कमलेश सिंगार भानपुरा के नए थाना प्रभारी का चार्ज संभालते ही भानपुरा नगर के प्रमुख मार्गों पर खाकी वर्दी पहने सिपाही नजर आने लगे है। थाना अधिकारी ने भानपुरा नगर में आते ही कई नवाचार किए हैं, जिससे आमजन को किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। कमलेश सिंगार नगर में चल रहे अवैध व्यापार सट्टा, शराब पर लगाम लगाने के साथ-साथ नगर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुगम बनाने के प्रयास कर रहे हैं। बढ़ती कोरोना महामारी को क्षेत्र में फैलने नहीं देने के वचन को लेकर कमलेश सिंगार के नेतृत्व में पूरी टीम नगर पंचायत के साथ मिलकर रोको-टोको अभियान के साथ-साथ मास्क वितरित व चालनी कार्रवाई कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कन्या शिक्षा परिसर सोंडवा भवन का वर्चुअल लोकार्पण किया

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 2 हजार 746 लाख रूपए की लागत से निर्मित कन्या शिक्षा परिसर सोंडवा के नवनिर्मित भवन, छात्रावास भवन का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लीक माध्यम से किसान कल्याण योजना के तहत किसानों के खाते में सम्मान निधि और राहत राशी अंतरित की, मुख्यमंत्री ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर योजना के हितग्राहियों को भी हितलाभ का वितरण किया। उक्त अवसर पर उन्होंने जन सेवा का एक साल हुं पुस्तक का विमोचन भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कोरोना काल के बीच प्रदेश की जनता के लिए कई ऐसी योजनाएं और काम किया जो अलग ही प्रकार का संतोष प्रदान करता है, आत्मनिर्भर म.प्र. के रोडमैप पर तेजी से कार्य किया जा रहा है, विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आह्वान किया कि, अनिवार्य रूप से मास्क लगाए, सोशल डिस्टेन्सींग का पालन करते हुए कोरेना के संक्रमण को दूर करने के प्रयासों में सहयोग करें। उन्होने पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधारोपण, जल संरक्षण करते हुए समृद्ध और विकसित म.प्र. के विकास में महत्वपूर्ण सहयोग का आह्वान किया। सोंडवा स्थित उक्त नवनिर्मित भवन के लोकार्पण अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष चौहान एवं कलेक्टर श्रीमती गुप्ता ने फीता काटकर नवनिर्मित भवन में प्रवेश एवं विधिवत पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने नव निर्मित भवन का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में डीईओ एसएस तोमर, बीईओ एवं बीआरसी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण भी उपस्थित थे।

श्रीमती अनीता चौहान, कलेक्टर श्रीमती सुरभि गुप्ता, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्यामवीर सिंह, एसडीएम सोंडवा देवकीनंदन सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला, वालपुर सरपंच जयपाल खरत उपस्थित थे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती

कोविड-19 का टीका लगवाने में संकोच कर रहे ग्रामीण क्षेत्र के लोग

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

ग्रामीण पलवाड़ क्षेत्र में उप स्वास्थ्य केंद्र काकनवानी पर कोरोना वैक्सीन लगाने का कार्य करीब 1 सप्ताह से शुरू हो गया है। वहीं लोगों में हाथ दर्द, बुखार जैसे भय के कारण टीके लगवाने में काफी संकोच कर रहे हैं जिसके चलते अभी तक मात्र 70 व्यक्तियों ने ही वैक्सीन लगवाई है। लोगों में अनभिज्ञता व जागरूकता नहीं होने पर सरकार का काफी नुकसान भी हो रहा है, 10 लोगों के एकत्रित होने पर ही वैक्सीन की शीशी खोली जा रही है। अभी 60 वर्ष से ऊपर वालो को ही टिके लगाए जा रहे हैं। कई लोग अपना आधार कार्ड लेकर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचते हैं किंतु 60 वर्ष पूर्ण नहीं होने पर उन्हें बिना टिका लगाए ही वापस घर लौटा दिया जाता है। कोरोना जैसी इस महामारी को रोकने के लिए सरकार को अपने कुछ नियमों में फेरबदल करना चाहिए, मसलन प्रत्येक व्यक्ति को बिना उम्र देखे ही टीका लगाना शुरू होता है तो बहुत ही जल्द इस महामारी से बचा जा सकता है। शासन के निर्देश के बावजूद ग्रामीण इलाकों में टिकाकरण का प्रचार-प्रसार नहीं किया जा रहा है जिसके कारण कई लोगों को ग्रामीण क्षेत्र में पता ही नहीं है कि, किस स्वास्थ्य केंद्र में टीका लगाया जा रहा है।

आबकारी पुलिस ने 15 जगहों पर दी दबिश

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)

आबकारी पुलिस सांसवाडा, कुशलगढ़ और घाटोल की टीम ने कुशलगढ़ क्षेत्र की मदिरा दुकानो के पडत क्षेत्र मे सयुक्त कारवाई की है। इसमे कस्बे सहित क्षेत्र के पोटलिया, जाडी, चुडादा, दौलपुरा, खजुरा, खुंटा, उमरझोका, दर्रा, आमलीपाडा, गल्धर, बावड़ी निनामा, घाटा, छोटी सरवा, मोहम्कमपुरा आदी 15 गांवो में दबिश देकर राजस्थान प्रतिबन्ध की 120 बीयर और 347 पव्वे जब्त किए। कारवाई करने मे आबकारी सीआई योगेश सालवी, पीओ हेमाराम जाट, पीओ मंगलाराम, महेन्द्र सिंह आदि शामिल थे। गोतलब है कि, कुशलगढ मध्यप्रदेश सीमावर्ती क्षेत्र होने से इस क्षेत्र मे काफी लंबे समय से मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में अवैध शराब का परिवहन कर इस क्षेत्र मे शराब खवासा और बाजना से छोटे बड़े वाहनों से सप्लाई की जाती है, आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से शराब माफिया मे हडकम मचा है।

अतिक्रमण मामले में अतिक्रमणकर्ता के पिता के नाम का पट्टा पेश कर की स्टे की मांग

गूंज खुलासा:न्यायालय को गुमराह करने से भी नही चूक रहे अतिक्रमणकर्ता, मृतक पर लगाए विवाद करने के आरोप

तत्कालीन सचिव ने कहा मेरे पदस्थ होने के आदेश दिनांक के पहले का फर्जी पट्टा, फर्जीवाड़ा करने वालो पर कार्रवाई की मांग

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

बनी अतिक्रमण मामले में अब नया मोड़ आ गया है, जहां अतिक्रमणकर्ता के एक और फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है जो कि विचारणीय है कि, क्या इस प्रकार का एक ही मामला है या ऐसे कई फर्जीवाड़े है जो पंचायती पाइलों में दबे हुए है। मामला ग्राम पंचायत बनी का है जहां अतिक्रमण के मामले में ननु मुणिया द्वारा घर के आगे अतिक्रमण करने को शिकायत दर्ज कराई थी, मामला तीन वर्षों से तहसील और एसडीएम न्यायालय की खाख छानने के बाद फरवरी में न्यायालय द्वारा स्वीकृत हुए अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी हुए लेकिन अतिक्रमण हटाया नही गया, शिकायतकर्ता ने कई बार राजस्व अमले से अतिक्रमण हटाने की मांग की लेकिन आर्थिक बोझ तले दबे राजस्व विभाग ने अतिक्रमण हटाने में कोई रुचि नही दिखाई।

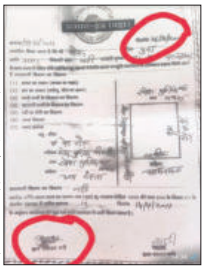

पहुंचे साथ न्यायालय में स्टे के लिए की अपील, जो राजस्व न्यायालय में कभी पेश नहीं हुआ।

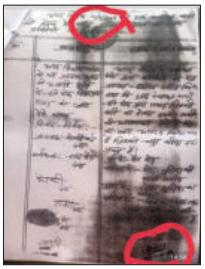

पंचायत के प्रस्ताव ठहराव की बिना प्रमाणित प्रति जिस पर सचिव के हस्ताक्षर जो उस समय पदस्थ भी नही था।

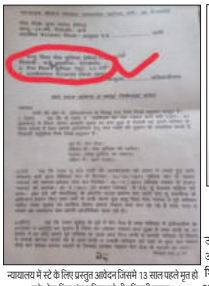

न्यायालय में स्टे के लिए प्रस्तुत आवेदन जिसमे 13 साल पहले मृत हो चुके भेरू पिता डूंगा मुणिया को भी प्रतिवादी बनाया।

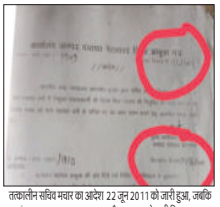

तत्कालीन सचिव सवार का आदेश 22 जून 2011 को जारी हुआ, जबकि पंचायत द्वारा बताया जा रहा 14 अप्रैल 2011 को जारी किया पट्टा।

अतिक्रमणकर्ता स्टे के लिए पहुंचा न्यायालय, मृतक के द्वारा विवाद का लगया आरोप, संदिग्ध पट्टा किया पेश

राजस्व न्यायालय से अतिक्रमण घोषित होने के बाद अतिक्रमणकर्ता द्वारा अपने अतिक्रमण को बचाने के लिए न्यायलय की शरण मे गया जहां स्टे के लिए प्रस्तुत वाद में शिकायतकर्ता ननु मुणिया ओर उसके पिता भेरू मुणिया पर जबरन विवाद झगड़ा कर गुमटी हटवाने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए भूमि को स्वंय की बताते हुए एक संदिग्ध पट्टा और ग्राम पंचायत का प्रस्ताव ठहराव भी पेश किया। जबकि न्यायालय में पार्टी बनाए गए भेरू मुणिया लगभग 13 वर्ष पूर्व ही मर चुका है। सबसे बड़ी बात राजस्व न्यायालय में पुरा प्रकरण अतिक्रमणकर्ता बाबू पिता भेरू गामड़ के खिलाफ चला आदेश भी बाबू गामड़ का अतिक्रमण हटाने के किए गए, तीन वर्ष न्यायलय में चले प्रकरण में आदेश होने तक अतिक्रमणकर्ता बाबू द्वारा कोई पट्टा पेश नही किया गया लेकिन आदेश के अचानक बाद बाबू का पिता भेरू गामड़ उक्त भूमि को अपनी पट्टे वाली भूमि बताकर स्टे के लिए न्यायलय की शरण मे पहुंच जाता है जो कही न कही पूरा मामला जांच के घेरे में है।

पट्टा जारी करने वाले ने सचिव ने कहा हस्ताक्षर फर्जी , जब पट्टा जारी हुआ जारी करने वाला सचिव वनी पंचायत में नही था पदस्थ

अतिक्रमणकर्ता द्वारा जो पट्टा न्यायालय में पेश कर भूमि अपना होना बताया है जिसे हम संदिग्ध इस लिए कह रहे है क्योंकि उक्त पट्टा दिनांक 16.04.2011 को ग्राम पंचायत से जारी होना बताया गया जिस पर तत्कालीन सचिव दिनेश मचार और सरपंच नानुडी के हस्ताक्षर किए हुवे है , मामले की जानकारी जब तत्कालीन सचिव दिनेश मचार से ली तो उन्होंने चौकाने वाला खुलासा करते हुवे बताया कि पट्टे पर किये हुवे हस्ताक्षर मेरे नही है इतना ही नही सचिव ने ग्राम पंचायत बनी में अपने पदस्थ होने का आदेश की कापी भी उपलब्ध करवाई जिसमे 22.06.2011 दर्ज है , मतलब सचिव के ग्राम पंचायत बनी में पदस्थ होने के लगभग ढाई माह पूर्व ही उसके हस्ताक्षर से पट्टा जारी कर दिया जो सीधे-सीधे धोखाधड़ी करना प्रतीत हो रहा है । साथ ही उक्त मामले में पंचायत का प्रस्ताव-ठहराव भी न्यायालय में पेश किया है जो कि प्रमाणित नही हो कर उस पर भी तत्कालीन सचिव के हस्ताक्षर किए हुवे है जब सचिव दिनेश मचार बनी पंचायत में पदस्थ भी नही था। पूरे मामले में रिकॉर्ड में हेरा फेरी कर फर्जी दस्तावेज बनाये गए है ये साफहोता है। ग्राम पंचायत बनी के वर्तमान सचिव का भी कहना है कि ग्राम पंचायत में इसका कोई रिकॉर्ड नही है और वेसे भी जिस भूमि पर पट्टे की बात की जा रही है वो एमपीआरडीसी और ननु मुनिया की है जिस पंचायत को पट्टा देने का अधिकार नही है।

राजस्व विभाग की भूमिका संदेह के घेरे में, 181 से शिकायत हटाने के लिए बना रहे दबाव

राजस्व न्यायालय की कहानी बिल्कुल जिसकी लाठी उसकी भेस वाली है, आर्थिक बोझ तले दबे जिम्मेदार आदेश के बाद भी अतिक्रमण नही हटवा रहे है, शिकायतकर्ता के लगातार प्रयास करने के बाद भी अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी करने वाले अधिकारी अब शिकायतकर्ता पर कब्जे की कार्रवाई करने का दबाव बना रहे है, परेशान शिकायतकर्ता ने सीएम हेल्पलाइन पर आदेश के बाद भी अतिक्रमण नही हटाने की शिकायत दर्ज करवा दी, अब सीएम हेल्पलाइन से शिकायत वापस लेने के लिए राजस्व अमला लगातार शिकायतकर्ता पर दबाव बना रहे है, शिकायतकर्ता ननु मुणिया ने बताया पटवारी गिरदावर और यहां तक तहसीलदार साहब द्वारा शिकायत वापस लेने पर कार्रवाई करने की बात कह रहे है।

पूरे विकास खण्ड में ये ही हालत

राजस्व विभाग की बात करो तो अतिक्रमण के मामले में दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है और अतिक्रमण को कमाई का बड़ा जरिया बना रखा है, अतिक्रमण की ढेरो शिकायत लंबित है तो कई ऐसे अतिक्रमण के आदेश भी है जिनका पालन नही किया जा रहा है। पिछले कुछ माह में रामगढ़, घुघरी, जामली पंचायत से अतिक्रमण हटाया गया लेकिन कई पंचायतो में अभी अतिक्रमण आदेश के बाद भी नही हटे। बनी पंचायत से भी तीन से चार शिकायत अतिक्रमण की हुई थी जिसमे से दो स्थानों पर से अतिक्रमण हटाने के आदेश पर अमल नही हो सका है।

बाइक दुर्घटना में बालक की गर्दन कटी, हुई मौत, दो हुए घायल

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ से लगभग 6-7 किलोमीटर दूर आम्बुआ आगौनी मार्ग पर आगे चल रहे दो पहिया वाहन को पीछे से आ रहे दो पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मारीए मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ जाने से वह पुलिया से टकरा गई, पीछे बैठे सवार व्यक्ति की पुलिया से टकराने के कारण गर्दन धड़ से अलग होकर दूर जा गिरी जिससे उसकी मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हुए जिन्हें अलिराजपुर ले जाया गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आम्बुआ भयडिया फलिया निवासी गुलाब सिंह पिता मालु भयडिया शुक्रवार को दोपहर 1 बजे के लगभग भयडिया फलिया से आगौनी अपनी बाईक पर सवार होकर खेत की ओर जा रहा था तभी पीछे से आगौनी (तड़वी फलिया) निवासी किसन सिंह के दो लड़के गेलिया तथा गिरदन सिंह तेज गति से मोटरसाइकिल पर आ रहे थे मार्ग में इस मोटरसाइकिल चालक गेलिया पिता किसन ने गुलाब सिंह की गाड़ी को टक्कर मारी जिससे गुलाब सिंह दूर जा गिरा। टक्कर मारने वाली मोटरसाइकिल असंतुलित होकर आगे जाकर पुलिया के पिक्षर से टकरा गई जिस कारण पीछे बैठा गिरदन सिंह पिता किसन (15) का सिर पुलिया से ऐसा टकराया कि उसकी गर्दन धड़ से अलग हो गई जिससे उसकी मृत्यु हो गई घायलों को 108 की मदद से अलीराजपुर उपचार हेतु ले जाया गया।

सहकारिता के दल्ले : किसानों के कर्जे और अपनी बल्ले-बल्ले

माही की गूंज झाबुआ/थांदला, धर्मेंद्र पंचाल

स्वतंत्रता के बाद देश ने अर्थव्यवस्था के समाजवादी मॉडल को अपनाया था, समयानुसार इस मॉडल के उपकरण के रूप में सहकारिता के तंत्र को अपनाया गया। इसके पीछे मंशा यह थी कि, आम आदमी और किसानों की भी अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी हो जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। इस तंत्र को साकार करने के लिए देशभर में सहकारी संस्थाओं, समितियों व बैंकों की स्थापना की गई। प्रारंभिक दौर में सरकार का यह कार्य अपनी भावना के अनुरूप कार्य करता रहा, परंतु बाद में यह सहकारी संस्थान राजनीति में पदार्पण करने वाले नेताओं और भ्रष्टाचार के ठिकाने बन गए।

इन संस्थाओं में सहकारिता के नाम पर खूब लूट-खसोट होने लगी और भ्रष्ट नेताओं व अधिकारियों ने इनमें काम करते हुए दोनों हाथों से आम आदमी व किसानों की कमाई बटोरी। जिस प्रकार जिले में सहकारी संस्थाओं के संसाधनों का निजी हित में दोहन किया गया, उसके कुछ उदाहरण पिछले दिनों मीडिया के माध्यम से थांदला सोसायटी में देखे गए।

थांदला सोसायटी में ऑडिट के दौरान सामने आई गड़बड़ियों में पता चला कि, जिन किसानों ने लोन नहीं लिया, उनका कर्ज माफ बताकर 1.5 करोड़ रुपए निकाले गए। सहकारिता के उपायुक्त अंबरीष वैद्य के अनुसार विशेष ऑडिट के दौरान यह राशि और कई गुना बढ़ सकती है। उनका विभाग सोसायटी के मैनेजर पवन दीक्षित पर एफआईआर भी करवाएगा। साथ ही वैद्य ने थांदला क्षेत्र की सोसायटियों का ताबड़तोड़ दौरा कर उनके रिकॉर्ड्स भी जब्त कर लिए हैं। अब अधिकारी किसानों से बात कर यह पूछेंगे कि उन्होंने लोन लिया था या नहीं।

तो वहीं सहकारी बैंक की थांदला शाखा, जो कि काफी समय से विवादित रही है, नेताओं के संरक्षण में बैंक कैडर से बाहर मैनेजरों की नियुक्तियां की गई थी इनके कोई सेवा नियम नहीं थे। सेल्समैन और सोसायटी मैनेजरों की वफादार टीम तैयार की गई, सहकारी संस्थाओं और सोसायटी विक्रेताओं को नेताओं का भरपूर आशीर्वाद मिलता है, ऐसे में मनमानी करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई न करने के लिए अधिकारियों पर दबाव तक बनाया जाता है।

तो वहीं मीडिया रिपोर्ट में भी थांदला को लेकर सहकारिता में किए गए घोटाले की खबर प्रकाशित होकर सहकारिता के दलालों को उजागर किया। वही पूर्व बैंक अध्यक्ष गौरसिंह वसुनिया की शिकायत पर लोनमाफी में गड़बड़ करने वालों का भांडा फूटा, इसमें थांदला के सोसायटी मैनेजर, नागरिक सहकारी बैंक मैनेजर और सोसायटी के अन्य कर्मचारियों के नाम भी ऋणमाफी योजना के हितग्राहियों में शामिल है। जबकि शासन के निर्देश है कि, जो व्यक्ति शासकीय सेवा में है, उसका कृषि ऋण माफ नहीं हो सकता है। गौरसिंह वसुनिया का कहना भी है कि वह जांच के बाद इस मामले की शिकायत सहकारिता मंत्री और मुख्यमंत्री से करेंगे।

सहकारिता में घोटालों की बागनी इन दलालों की खुलती पोल को आधार बनाकर पूरे जिले के सहकारी नेताओं और कर्मचारियों की अकूत संपत्ति की जांच की जाना चाहिए। क्योंकि जिन लोगों के पास 10-15 साल पहले मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरवाने के पैसे भी नहीं होते थे, वह लोग करोड़ों रूपए के मालिक आज बन बैठे है। प्रदेश के बाहर से आए लोगों ने जुगाड़ से सहकारिता में नौकरी हासिल कर ली और आज करोड़पति है। जबकि वह आम आदमी या किसान जिसके लिए सहकारिता का यह उपक्रम बना है वह आज भी कर्ज में दबा है और सरकारों की ऋणमाफी की राह देख रहा है।

सहकारिता के अधिकारियों को भी थांदला में हुई गड़बड़ियों को आधार बनाकर पूरे जिले में इस तरह की जांच करवाना चाहिए ताकि सरकार की मंशा पर पानी फेरने वाले यह कर्मचारी और उनके संरक्षक नेताओं की असलियत लोगों के सामने आ सके।

निजीकरण की इस गलाकाट प्रतियोगिता में सहकारिता का विचार आज भी एक नेक और आम आदमी की बेहतरी का विचार है, मगर इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि इसको संचालित करने वालों की मंशा और आचरण कैसे हैं। अगर सहकारी संस्थानों में चुरी मंशा और भ्रष्ट आचरण वाले लोग घुस आए हैं, तो उनकी सतत निगरानी करना और उन्हें बाहर निकालना सरकार की जिम्मेदारी है। साथ ही जिले में हुए इस खेल में केवल एकाध छोटी मछली के फंस जाने भर से ही पूरे तालाब के साफहोने की उम्मीद करना बेमानी है। सहकारिता के दलदल में फंसे भ्रष्टाचारी कीड़े तब तक कुलबुलाते रहेंगे, जब तक समूचे तंत्र की गहराई से सफाई नहीं की जाती है।

नाम बड़े दर्शन खोटे...

जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कम्पनी रास्ता देने के नाम पर आमजन को कर रही गुमराह

माही की गूंज, भामल। नारायण पातरा

निर्माणाधीन दिल्ली-मुंबई 8 लाइन एक्सप्रेस वे पर भामल के समीप पुराने तालाब के आस-पास किसानों की जमीन पर आने-जाने के लिए रास्ता नहीं देने के कारण बुधवार को एक बार पिप्स से गांव के ग्रामीण तालाब के पास इकट्ठे हुए, तो वही गांव के प्रधान व उप प्रधान भारत खेर आदि जनप्रतिनिधि भी उपस्थित होकर रास्ते की मांग रखी बताते कि, पूर्व में भी धरना देकर लोगो ने रास्ता देने की मांग की थी जिसपर ग्रामीणो को गुमराह कर रास्ता देने की बात कहकर त्वरीत मशिनो से 8 लेन सडक निर्माण के मध्य रास्ता बनाने के लिए जमीन की समतलीकरण वेस बनाने का कार्य शुरू कर धरने को स्थगित करवाया था लेकिन जिआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कम्पनी के नाम बडे व दर्शन खोटे है को कम्पनी के कर्मचारियो ने प्रदर्षित कर आम लोगो को रास्ते के नाम पर वादा कर मुखर गए थे जिसके बाद पिप्स वुधवार को ग्रामिण लाम्बंध हुए जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के रतलाम प्रोजेक्ट डाइरेक्टर श्री गुप्ता एवं जीआर कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर मंगलेश पांडे उपस्थित हुए और एनएचआई के रतलाम प्रोजेक्ट डाइरेक्टर ने मौका मुआयना किया साथ ही प्रस्ताव बनाने का आश्वाशन दिया। ग्रामीणों ने मांग की कि हमे रास्ता यही चाहिए साथ ही जीआर कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर एवं एनएचआई के हेड आदि ने एक बार पिप्स लोगो को रास्ता देने का आश्वासन दिया है पर आगे उक कम्पनी अपने वादे पर कितना खरा उतरती है यह तो बाद में ही पता चलेगा। पटवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार तालाब का जो सर्वे नंबर 554 रकबा 0.24 आर है जो राजस्व विभाग के आंकड़े में भी सरकारी रास्ता मद दर्शा रहा है, वहा हमे रास्ता चाहिए यह हमारी मांग है ग्रामीणो ने कहा है। वही मामले में जीआर कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर चेनल क्रमांक 24 के मंगलेश पांडे से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि, इस मामले में एनएचआई के हेड ही आपको जानकारी दे सकते हैं। वही मामले में जब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्रधानिकरण के प्रोजेक्ट डाइरेक्टर रविन्द्र गुप्ता से चर्चा की तो तो बताया कि, पुलिए के लिए जमीन इतनी अवलेबल नही है की रास्ता दिया जाए लेकिन पिप्स भी देखते है क्या होता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422